1 इतिहास

आदम से नूह तक पारिवारिक इतिहास

1 1-3आदम, शेत, एनोश, केनान, महललेल, येरेद, हनोक, मतूशेलह, लेमेक, नूह।* 4नूह के पुत्र शेम, हाम और येपेत थे।

येपेत के वंशज

5येपेत के पुत्र गोमेर, मागोग, मादै, यावान, तूबल, मेशेक और तीरास थे।

6गोमेर के पुत्र अशकनज, दीपत और तोगर्मा थे।

7यावान के पुत्र एलीशा, तर्शीश, कित्ती और रोदानी थे।

हाम के वंशज

8हाम के पुत्र कूश (मिस्रम), पूत और कनान थे।

9कूश के पुत्र सबा, हबीला, सबाता, रामा और सब्तका थे। रामा के पुत्र शबा और ददान थे।

10कूश का वंशज निम्रोद संसार में सर्वाधिक शक्तिशाली वीर योद्धा हुआ।

11मिस्र लूदी, अनामी, लहावी, नप्तही, 12पत्रूसी, कसलूही और कप्तोरी का पिता था। (पलिश्ती के लोग कसलूही के वंशज थे।)

13कनान सीदोन का पिता था। सीदोन उसका प्रथम पुत्र था। कनान, हित्तियों, 14यबूसी, एमोरी, गिर्गाशी, 15हिव्वी, अर्की, सीनी, 16अर्वदी, समारी और हमाती के लोगों का भी पिता था।

शेम के वंशज

17शेम के पुत्र एलाम, अश्शूर, अर्पक्षद, लूद और अराम थे। अराम के पुत्र ऊस, हूल, गेतेर और मेशेक थे। 18अर्पक्षद शेलह का पिता था। शेलह एबेर का पिता था।

19एबेर के दो पुत्र थे। एक पुत्र का नाम पेलेग था, क्योंकि पृथ्वी के मनुष्य उसके जीवनकाल में कई भाषाओं में बटे थे। पेलेग के भाई का नाम योक्तान था। (20योक्तान से पैदा हुये अल्मोदाद, शुलेप, हसर्मावेत, येरह, 21हदोराम, ऊजाल, दिक्ला, 22एबाल, अबीमाएल, शबा, 23ओपीर, हवीला, और योबाब, ये सब योक्तान की सन्तान थे।)

इब्राहीम का परिवार

24शेम के वंशज: अर्पक्षद, शेलह, 25एबेर, पेलेग, रू, 26सरूग, नाहोर, तेरह 27और अब्राम (अब्राम को इब्राहीम भी कहा जाता है।)

28इब्राहीम के पुत्र इसहाक और इश्माएल थे। 29ये इसके वंशज हैं:

हाजिरा के वंशज

इश्माएल का प्रथम पुत्र नबायोत था। इश्माएल के अन्य पुत्र केदार, अदबेल, मिबसाम, 30मिश्मा, दूमा, मस्सा, हदद, तेमा, 31यतूर, नापीश और केदमा थे। वे इश्माएल के पुत्र थे।

कतूरा के वंशज

32कतूरा इब्राहीम की रखैल थी। उसने जिम्रान, योक्षान, मदान, मिद्यान, यिशबाक और शूह को जन्म दिया।

योक्षान के पुत्र शबा और ददान थे।

33मिद्यान के पुत्र एपा, एपेर, हनोक, अबीदा और एलदा थे। ये सभी कतूरा के पुत्र थे।

सारा के वंशज

34इब्राहीम इसहाक का पिता था। इसहाक के पुत्र एसाव और इस्राएल थे।

35एसाव के पुत्र एलीपज, रूएल, यूश, यालाम और कोरह थे।

36एलीपज के पुत्र तेमान, ओमार, सपी, गाताम और कनज थे। एलीपज और तिम्ना का पुत्र अमालेक नाम का था।

37रूएल के पुत्र नहत, जेरह, शम्मा और मिज्जा थे।

सेईर के एदोमी

38सेईर के पुत्र लोतान, शोबाल, सिबोन, अना, दीशोन, एसेर और दीशान थे।

39लोतान के पुत्र होरी और होमाम थे। लोतान की एक बहन तिम्ना नाम की थी।

आदम ... नूह नामों की इस तालिका में एक व्यक्ति और उसके वंशजों के नाम हैं।

40शोबाल के पुत्र अल्यान, मानहत, एबाल, शपी और
ओनाम थे। सिबोन के पुत्र अय्या और अना थे।
41अना का पुत्र दीशोन था।
दीशोन के पुत्र हम्रान, एशबान, यित्रान और करान थे।
42एसेर के पुत्र बिल्हान, ज़ावान और याकान थे।
दीशोन के पुत्र ऊस और अरान थे।

एदोम के राजा

43इस्राएल में राजाओं के होने के बहुत पहले
एदोम में राजा थे। एदोम के राजाओं के नाम ये हैं:
उनके नाम थे: बोर का पुत्र बेला। बेला के नगर का
नाम दिन्हाबा था।
44जब बेला मरा, तब जेरह का पुत्र योबाब नया राजा
बना। योबाब बोस्रा का था।
45जब योबाब मरा, हूशाम नया राजा हुआ। हूशाम
तेमनी लोगों के देश का था।
46जब हूशाम मरा, बदद का पुत्र हदद नया राजा बना।
हदद ने मिद्यानियों को मोआब देश में हराया। हदद के
नगर का नाम अवीत था।
47जब हदद मरा, सम्ला नया राजा हुआ। सम्ला मस्रेकाई
का था।
48जब सम्ला मरा, शाऊल नया राजा बना। शाऊल
महानद के किनारे के रहोबोत का था।
49जब शाऊल मरा, अकबोर का पुत्र बाल्हानान नया
राजा हुआ।
50जब बाल्हानान मरा, हदद नया राजा बना। हदद के
नगर का नाम पाई था। हदद की पत्नी का नाम महेतबेल
था। महेतबेल मत्रेद की पुत्री थी। मत्रेद, मेज़ाहाब की
पुत्री थी। **51**तब हदद मरा।
एदोम के प्रमुख तिम्ना, अल्या, यतेत, **52**ओहोलीवामा,
एला, पीनोन, **53**कनज, तेमान, मिबसार, **54**मग्दीएल
और ईराम थे। यह एदोम के प्रमुखों की एक सूची है।

इस्राएल के पुत्र

2 इस्राएल के पुत्र रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा,
इस्साकार, जबूलून, **2**दान, यूसुफ, बिन्यामीन,
नप्ताली, गाद और आशेर थे।

यहूदा के वंशज

3यहूदा के पुत्र एर, ओनान और शेला थे। बतशू
उनकी माँ थी। बतशू कनान की स्त्री थी। यहोवा ने
देखा कि यहूदा का प्रथम पुत्र एर बुरा है। यही कारण
था कि यहोवा ने उसे मार डाला। **4**यहूदा की पुत्रवधू
तामार ने पेरेस और जेरह* को जन्म दिया। इस प्रकार
यहूदा के पाँच पुत्र थे।

5पेरेस के पुत्र हेस्रोन और हामूल थे।
6जेरह के पाँच पुत्र थे। वे: जिम्री, एतान, हेमान, कलकोल
और दारा थे।
7जिम्री का पुत्र कर्मी था। कर्मी का पुत्र आकान था।
आकान वह व्यक्ति था जिसने युद्ध में मिली चीज़ें रख
ली थीं। उससे आशा थी कि वह उन सभी चीजों को
परमेश्वर को देगा।
8एतान का पुत्र अजर्याह था।
9हेस्रोन के पुत्र यरह्मेल राम और कलूबै थे।

राम के वंशज

10राम अम्मीनादाब का पिता था और अम्मीनादाब
नहशोन का पिता था। नहशोन यहूदा के लोगों का
प्रमुख था।* **11**नहशोन सल्मा का पिता था। सल्मा
बोअज़ का पिता था। **12**बोअज़ ओबेद का पिता था।
ओबेद यिशै का पिता था। **13**यिशै एलीआब का पिता
था। एलीआब यिशै का प्रथम पुत्र था। यिशै का दूसरा
पुत्र अबीनादाब था। उसका तीसरा पुत्र शिमा था। **14**नतनेल
यिशै का चौथा पुत्र था। यिशै का पाँचवाँ पुत्र रद्दै था।
15ओसेम यिशै का छठा पुत्र था और दाऊद उसका
सातवाँ पुत्र था। **16**उनकी बहनें सरूयाह और अबीगैल
थीं। सरूयाह के तीन पुत्र अबीशै, योआब और असाहेल
थे। **17**अबीगैल अमासा की माँ थी। अमासा का पिता
येतेर था। येतेर इश्माएली लोगों में से था।

कालेब के वंशज

18कालेब हेस्रोन का पुत्र था। कालेब की पत्नी अजूबा
से सन्तानें हुई। अजूबा यरीओत* की पुत्री थी। अजूबा
के पुत्र येशेर शोबाब, और अर्दोन थे। **19**जब अजूबा
मरी, कालेब ने एप्रात से विवाह किया। कालेब और
एप्रात का एक पुत्र था। उन्होंने उसका नाम हूर रखा।
20हूर ऊरी का पिता था। ऊरी बसलेल का पिता था।
21बाद में, जब हेस्रोन साठ वर्ष का हो गया, उसने
माकीर की पुत्री से विवाह किया। माकीर गिलाद का
पिता था। हेस्रोन ने माकीर की पुत्री के साथ शारीरिक
सम्बन्ध किया और उसने सगूब को जन्म दिया। **22**सगूब
याईर का पिता था। याईर के पास गिलाद देश में तेईस
नगर थे। **23**किन्तु गशूर और अराम ने याईर के गाँवों
को ले लिया। उनके बीच कनत और इसके चारों ओर
के छोटे नगर थे। सब मिलाकर साठ छोटे नगर थे। ये
सभी नगर गिलाद के पिता माकीर, के पुत्रों के थे।

यहूदा ... जेरह यहूदा ने अपनी पुत्रवधू तामार के साथ शारीरिक सम्बन्ध किया और उसे गर्भवती किया। देखें उत्पत्ति 38:12–30

नहशोन ... था नहशोन यहूदा के परिवार समूह का उस समय प्रमुख था जब इस्राएल के लोग मिस्र से बाहर आए थे। देखें गिनती 1:7; 2:3; 7:12

कालेब ... यरीओत या "कालेब की सन्तानें उसकी पत्नी अजूबा और यरीओत से हुई।"

24हेस्रोन, एप्राता के कालेब नगर में मरा। जब वह मर
गया, उसकी पत्नी अबिय्याह ने उसके पुत्र को जन्म
दिया। पुत्र का नाम अशहूर था। अशहूर तको का
पिताथा।

यरह्मेल की वंशज

25यरह्मेल हेस्रोन का प्रथम पुत्र था। यरह्मेल के पुत्र
राम, बूना, ओरेन, ओसेम, और अहिय्याह थे। राम
यरह्मेल का प्रथम पुत्र था। 26यरह्मेल की दूसरी पत्नी
अतारा थी। अतारा ओनाम की माँ थी।

27यरह्मेल के प्रथम पुत्र, राम के पुत्र मास, यामीन
और एकेर थे।

28ओनाम के पुत्र शम्मै और यादा थे। शम्मै के पुत्र
नादाब और अबीशूर थे।

29अबीशूर की पत्नी का नाम अबीहैल था। उनके दो
पुत्र थे। उनके नाम अहबान और मोलीद थे।

30नादाब के पुत्र सेलेद और अप्पैम थे। सेलेद बिना
सन्तान मरा।

31अप्पैम का पुत्र यिशी था। यिशी का पुत्र शेशान था।
शेशान का पुत्र अहलै था।

32यादा शम्मै का भाई था। यादा के पुत्र येतेर और
योनातान थे। येतेर बिना सन्तान मरा।

33योनातान के पुत्र पेलेत और जाजा थे। यह यरह्मेल
की सन्तानों की सूची थी।

34शेशान के पुत्र नहीं थे। उसे केवल पुत्रियाँ थीं।
शेशान के पास यर्हा नामक एक मिस्री सेवक था।
35शेशान ने अपनी पुत्री का विवाह यर्हा के साथ होने
दिया। उनका एक पुत्र था। उसका नाम अत्तै था।

36अत्तै, नातान का पिता था। नातान जाबाद का पिता
था। 37जाबाद एपलाल का पिता था। एपलाल ओबेद का
पिता था। 38ओबेद येहू का पिता था। येहू अजर्याह का
पिता था। 39अजर्याह हेलैस का पिता था। हेलैस एलासा
का पिता था। 40एलासा सिस्मै का पिता था। सिस्मै
शल्लूम का पिता था। 41शल्लूम यकम्याह का पिता था
और यकम्याह एलीशामा का पिता था।

कालेब का परिवार

42कालेब यरह्मेल का भाई था। कालेब के कुछ पुत्र
थे। उसका पहला पुत्र मेशा था। मेशा जीप का पिता था।
मारेशा हेब्रोन का पिता था।

43हेब्रोन के पुत्र कोरह, तप्पूह, रेकेम और शेमा थे।
44शेमा, रहम का पिता था। रहम योर्काम का पिता था।
45शम्मै का पुत्र माओन था। माओन बेत्सूर का पिता
था। रेकेम शम्मै का पिता था।

46कालेब की रखैल का नाम एपा था। एपा हारान,
मोसा और गाजेज़ की माँ थी। हारान, गाजेज़ का पिता
था।

47याहदै के पुत्र रेगेम, योताम, गेशान, पेलेत, एपा और
शाप थे।

48माका, कालेब की दूसरी रखैल थी। माका, शेबेर
और तिर्हाना की माँ थी। 49माका, शाप और शबा की
भी माँ थी। शाप, मदमन्ना का पिता था। शबा, मकबेना
और गिबा का पिता था। कालेब की पुत्री अकसा थी।

50यह कालेब वंशजों की सूची है: हूर कालेब का
प्रथम पुत्र था। वह एप्राता से पैदा हुआ था। हूर के पुत्र
शोबाल जो किर्यत्यारीम का संस्थापक था, 51सल्मा, जो
बेतलेहेम का संस्थापक था और हारेप बेतगादेर का
संस्थापक था।

52शोबाल किर्यत्यारीम का संस्थापकथा। यह शोबाल
के वंशजों की सूची है: हारोए, मनुहोत के आधे लोग:
53और किर्यत्यारीम के परिवार समूह। ये यित्री, पूती,
शूमाती और मिश्राई लोग हैं। सोराई और एश्ताओली
लोग मिश्राई लोगों से निकले।

54यह सल्मा के वंशजों की सूची है: बेतलेहेम के
लोग, नतोपाई, अत्रोत, बेत्योआब, मानहत के आधे लोग,
सोरी लोग, 55और उन शास्त्रियों के परिवार जो याबेस,
तिराती, शिमाती और सूकाती में रहते थे। ये शास्त्री, वे
कनानी लोग हैं जो हम्मत से आए। हम्मत बेतरेकाब
का संस्थापक था।

दाऊद के पुत्र

3 दाऊद के कुछ पुत्र हेब्रोन नगर में पैदा हुए थे।
दाऊद के पुत्रों की यह सूची है:

दाऊद का प्रथम पुत्र अम्मोन था। अम्मोन की माँ
अहीनोअम थी। वह यिज्रेली नगर की थी।

दूसरा पुत्र दानिय्येल था। उसकी माँ अबीगैल–कर्मेल
(यहूदा में) की थी।

2तीसरा पुत्र अबशालोम था। उसकी माँ तल्मै की पुत्री
माका थी। तल्मै गशूर का राजा था।

चौथा पुत्र ओदानिय्याह था। उसकी माँ हग्गीत थी।

3पाँचवाँ पुत्र शपत्याह था। उसकी माँ अबीतल थी।

छठा पुत्र यित्राम था। उसकी माँ दाऊद की पत्नी एग्ला
थी। 4हेब्रोन में दाऊद के ये छ: पुत्र पैदा हुए थे। दाऊद
ने वहाँ सात वर्ष छ: महीनें शासन किया।

दाऊद, यरूशलेम में तैंतीस वर्ष राजा रहा। 5दाऊद के
यरूशलेम में पैदा हुए पुत्र ये हैं:

चार बच्चे बतशेबा से पैदा हुए। बतशेबा अम्मीएल की
पुत्री थी, शिमा, शोबाब, नातान और सुलैमान। 6-8अन्य
नौ बच्चे ये थे: यिभार, एलीशामा, एलीपेलेत, नेगाह,
नेपेग, यापी, एलीशामा, एल्यादा और एलीपेलेत। 9वे
सभी दाऊद के पुत्र थे। दाऊद के अन्य पुत्र रखैलों से
थे। तामार दाऊद की पुत्री* थी।

दाऊद की पुत्री "उनकी बहन।"

दाऊद के समय के बाद के यहूदा के राजा

10सुलैमान का पुत्र रहबाम था और रहबाम का पुत्र
अबिय्याह था। अबिय्याह का पुत्र आसा था। आसा का
पुत्र यहोशापात था। 11यहोशापात का पुत्र योराम था।
योराम का पुत्र अहज्याह था। अहज्याह का पुत्र योआश
था। 12योआश का पुत्र अमस्याह था। अमस्याह का पुत्र
अजर्याह था। अजर्याह का पुत्र योताम था। 13योताम का
पुत्र आहाज़ था। आहाज का पुत्र हिजकिय्याह था।
हिजकिय्याह का पुत्र मनश्शे था। 14मनश्शे का पुत्र
आमोन था। आमोन का पुत्र योशिय्याह था।

15योशिय्याह के पुत्रों की सूची यह है: प्रथम पुत्र
योहानान था। दूसरा पुत्र यहोयाकीम था। तीसरा पुत्र
सिदकिय्याह था। चौथा पुत्र शल्लूम था।

16यहोयाकीम के पुत्र यकोन्याह, और उसका पुत्र
सिदकिय्याह* थे।

बाबुल द्वारा यहूदा को पराजित करने के बाद दाऊद का वंश–क्रम

17यकोन्याह के बाबुल में बन्दी होने के बाद यकोन्याह
के पुत्रों की यह सूची है। उसकी सन्तानें ये थीं: शालतीएल,
18मल्कीराम, पदायाह, शेनस्सर, यकम्याह, होशामा,
और नदब्याह

19पदायाह के पुत्र जरुब्बाबेल और शिमी थे। जरुब्बाबेल
के पुत्र मशुल्लाम और हनन्याह थे। शलोमीत उनकी
बहन थी। 20जरुब्बाबेल के अन्य पाँच पुत्र भी थे। उनके
नाम हशूबा, ओहेल, बेरेक्याह, हसद्याह, और यूशमेसेद
था।

21हनन्याह का पुत्र पलत्याह था और पलत्याह का पुत्र
यशायाह था। यशायाह का पुत्र रपायाह था और रपायाह
का पुत्र अर्नान था। अर्नान का पुत्र ओबद्याह था और
ओबद्याह का पुत्र शकन्याह था।

22यह सूची तकन्याह के वंशजों शमायाह की है:
शमायाह के छ: पुत्र थे, शमायाह, हत्तूश और यिगाल,
बारीह, नार्याह और शपात।

23नार्याह के तीन पुत्र थे। वे एल्योएनै, हिजकिय्याह
और अज्रीकाम थे।

24एल्योएनै के सात पुत्र थे। वे होदब्याह, एल्याशीब,
पलायाह, अककूब, योहानान, दलायाह और अनानी
थे।

यहूदा के अन्य परिवार समूह

4 यह यहूदा के पुत्रों की सूची है: वे पेरेस, हेस्रोन,
कर्मी, हूर और शोबाल थे।

2शोबाल का पुत्र रायाह था। रायाह, यहत का पिता
था। यहत, अहूमै और लहद का पिता था। सोराई लोग
अहूमै और लहद के वंशज हैं।

3एताम के पुत्र यिज्रेल, यिश्मा, और यिद्बाश थे और
उनकी एक बहन हस्सलेलपोनी नाम की थी।

4पनूएल गदोर का पिता था और एजेर रूशा का पिता
था। हूर के ये पुत्र थे: हूर एप्राता का प्रथम पुत्र था और
एप्राता बेतलेहेम का संस्थापक था।

5तको का पिता अशहूर था। तको की दो पत्नियाँ थीं।
उनका नाम हेबा और नारा था। 6नारा के अहुज्जाम,
हेपेर, तेमनी और हाहश्तारी पुत्र थे। ये अशहूर से नारा
के पुत्र थे। 7हेला के पुत्र सेरेत, यिसहर और एत्नान
और कोस थे। 8कोस आनूब और सोबेबा का पिता था।
कोस, अहर्हेल परिवार समूह का भी पिता था। अहर्हेल
हारून का पुत्र था।

9याबेस बहुत अच्छा व्यक्ति था। वह अपने भाईयों से
अधिक अच्छा था। उसकी माँ ने कहा, "मैंने उसका
नाम याबेस रखा है क्योंकि मैं उस समय बड़ी पीड़ा में
थी जब मैंने इसे जन्म दिया।" 10याबेस ने इस्राएल के
परमेश्वर से प्रार्थना की। याबेस ने कहा, "मैं चाहता हूँ
कि तू मुझे सचमुच आशीर्वाद दे। मैं चाहता हूँ कि तू
मुझे अधिक भूमि दे। मेरे समीप रहे और किसी को
मुझे चोट न पहुँचाने दे। तब मुझे कोई कष्ट नहीं होगा"
और परमेश्वर ने याबेस को वह दिया, जो उसने माँगा।

11कलूब शूहा का भाई था। कलूब महीर का पिता
था। महीर एशतोन का पिता था। 12एशतोन, बेतरामा,
पासेह और तहिन्ना का पिता था। तहिन्ना ईर्नाहाश का
पिता था। वे लोग रेका से थे।

13कनज के पुत्र ओत्नीएल और सरायाह थे। ओत्नीएल
के पुत्र हतत और मोनोतै थे। 14मोनोतै ओप्रा का पिता
था और सरायाह योआब का पिता था। योआब गेहराशीम
का संस्थापक था। वे लोग इस नाम का उपयोग करते
थे क्योंकि वे कुशल कारीगर थे।

15कालेब यपुन्ने का पुत्र था। कालेब के पुत्र इरु, एला,
और नाम थे। एला का पुत्र कनज था।

16यहल्लेल के पुत्र जीप, जीपा, तीरया और असरेलथे।

17-18एज्रा के पुत्र येतेर, मेरेद, एपेर और यालोन थे।
मेरेद, मिर्य्याम, शम्मै और यिशबह का पिता था। यिशबह,
एशतमो का पिता था। मेरेद की एक पत्नी मिस्र की थी।
उसके पुत्र येरेद, हेबेर, और यकूतीएल थे। येरेद गदोर
का पिता था। हेबेर सोको का पिता था और यकूतीएल
जानोह का पिता था। ये बित्या के पुत्र थे। बित्या फ़िरौन
की पुत्री थी। वह मिस्र के मेरेद की पत्नी थी।

19मेरेद की पत्नी नहम की बहन थी। मेरेद की पत्नी
यहूदा की थी। मेरेद की पत्नी के पुत्र कीला और
एशतमो के पिता थे। कीला गेरेमी लोगों में से था और
एशतमो माकाई लोगों में से था। 20शिमोन के पुत्र अम्नोन,

यहोयाकीम. .. पुत्र सिदकिय्याह इसकी व्याख्या दो प्रकार से की जा सकती है। (1) यह सिदकिय्याह यहोयाकीम का पुत्र और यकोन्याह का भाई था। (2) यह सिदकिय्याह यकोन्याह का पुत्र था और यहोयाकीम का पौत्र था।

रिन्ना बेन्हानान और तोलोन थे। यिशी के पुत्र जोहेत और बेनजोहेत थे।

21-22शेला यहूदा का पुत्र था। शेला के पुत्र एर, लादा, योकीम, कोर्जबा के लोग, योआश, और साराप थे। एर लेका का पिता था। लादा मारेशा और बेतअशबे के सन कारीगरों के परिवार समूह का पिता था। योआश और साराप ने मोआबी स्त्रियों से विवाह किया। तब वे बेतलेहेम को लौट गए।* उस परिवार के विषय में लिखित सामग्री बहुत प्राचीन है। **23**शेला के वे पुत्र ऐसे कारीगर थे जो मिट्टी से चीज़ें बनाते थे। वे नताईम और गदेरा में रहते थे। वे उन नगरों में रहते थे और राजा के लिये काम करते थे।

शिमोन की सन्तानें

24शिमोन के पुत्र, नमूएल, यामीन, यारीब, जेरह और शाऊल थे। **25**शाऊल का पुत्र शल्लूम था। शल्लूम का पुत्र मिबसाम था। मिबसाम का पुत्र मिश्मा था।

26मिश्मा का पुत्र हम्मूएल था। हम्मूएल का पुत्र जक्कूर था। जक्कूर का पुत्र शिमी था। **27**शिमी के सोलह पुत्र और छः पुत्रियाँ थीं। किन्तु शिमी के भाईयों के अधिक बच्चे नहीं थे। शिमी के भाईयों के बड़े परिवार नहीं थे। उनके परिवार उतने बड़े नहीं थे जितने बड़े यहूदा के अन्य परिवार समूह थे।

28शिमी के बच्चे बेर्शबा, मोलादा, हसर्शूआल, **29**बिल्हा, एसेम, तोलाद, **30**बतूएल, होर्मा, सिकलग, **31**बेत मर्काबोत, हसर्सूसीम, बेतबिरी, और शारैम में रहते थे। वे उन नगरों में तब तक रहे जब तक दाऊद राजा नहीं हुआ। **32**इन नगरों के समीप के पाँच गाँव एताम, ऐन, रिम्मोन, तोकेन और आशान थे। **33**अन्य गाँव जैसे बाल बहुत दूर थे। यहीं वे रहते थे और उन्होंने अपने परिवार का इतिहास भी लिखा।

34-38यह सूची उन लोगों की है जो अपने परिवार समूह के प्रमुख थे। वे मशोबाब, यम्लेक, योशा (अमस्याह का पुत्र), योएल, योशिब्याह का पुत्र येहू, सरायाह का पुत्र योशिब्याह, असीएल का पुत्र सरायाह, एल्योएनै, याकोबा, यशोहायाह, असायाह, अदीएल, यसीमीएल, बनायाह, और जीजा (शिपी का पुत्र) थे। शिपी अल्लोन का पुत्र था और अल्लोन यदायाह का पुत्र था। यदायाह शिम्री का पुत्र था और शिम्री शमायाह का पुत्र था।

इन पुरुषों के ये परिवार बहुत विस्तृत हुए। **39**वे गदोर नगर के बाहर, घाटी के पूर्व के क्षेत्र में गए। वे अपनी भेड़ों और पशुओं के लिए मैदान खोजने के लिये उस स्थान पर गए। **40**उन्हें बहुत घासवाले अच्छे मैदान मिलें। उन्होंने वहाँ बहुत अधिक अच्छी भूमि पाई। प्रदेश शान्तिपूर्ण और शान्त था। अतीत में यहाँ हाम के वंशज रहते थे। **41**यह तब हुआ जब हिजकिय्याह यहूदा का राजा था। वे लोग गदोर पहुँचे और हमीत लोगों से लड़े। उन्होंने हमीत लोगों के डेरों को नष्ट कर दिया। वे लोग मूनी लोगों से भी लड़े जो वहाँ रहते थे। इन लोगों ने सभी मूनी लोगों को नष्ट कर डाला। आज भी इन स्थानों में कोई मूनी नहीं है। इसलिए उन लोगों ने वहाँ रहना आरम्भ किया। वे वहाँ रहने लगे, क्योंकि उनकी भेड़ों के लिये उस भूमि पर घास थी।

42पाँच सौ शिमोनी लोग शिमोनी के पर्वतीय क्षेत्र में गए। यिशी के पुत्रों ने उन लोगों का मार्ग दर्शन किया। वे पुत्र पलत्याह, नार्याह, रपायाह और उज्जीएल थे। शिमोनी लोग उस स्थान पर रहने वाले लोगों से लड़े। **43**वहाँ अभी थोड़े से केवल अमेलेकी लोग रहते थे और इन शिमोनी लोगों ने इन्हें मार डाला। उस समय से अब तक वे शिमोनी लोग सेईद में रह रहे हैं।

रूबेन के वंशज

5 **1-3**रूबेन इस्राएल का प्रथम पुत्र था। रूबेन को सबसे बड़े पुत्र होने की विशेष सुविधायें प्राप्त होनी चाहिए थी। किन्तु रूबेन ने अपने पिता की पत्नी के साथ शारीरिक सम्बन्ध किया। इसलिये वे सुविधाएं यूसुफ के पुत्रों को मिली। परिवार के इतिहास में रूबेन का नाम प्रथम पुत्र के रूप में लिखित नहीं है। यहूदा अपने भाईयों से अधिक बलवान हो गया, अत: उसके परिवार से प्रमुख आए। किन्तु यूसुफ के परिवार ने वे अन्य सुविधायें पाई, जो सबसे बड़े पुत्र को मिलती थी। रूबेन के पुत्र हनोक, पल्लू, हेस्रोन और कर्मी थे।

4योएल के वंशजों के नाम ये हैं: शमायाह योएल का पुत्र था। गोग शमायाह का पुत्र था। शिमी गोग का पुत्र था। **5**मीका शिमी का पुत्र था। रायाह मीका का पुत्र था। बाल रायाह का पुत्र था। **6**बेरा बाल का पुत्र था। अश्शूर के राजा तिलगत पिलनेसेर ने बेरा को अपना घर छोड़ने को विवश किया। इस प्रकार बेरा राजा का बन्दी बना। बेरा रूबेन के परिवार समूह का प्रमुख था।

7योएल के भाइयों और उसके सारे परिवार समूहों को वैसे ही लिखा जा रहा है जैसे वे परिवार के इतिहास में हैं: यीएल प्रथम पुत्र था, तब जकर्याह **8**और बेला। बेला अजाज का पुत्र था। अजाज शेमा का पुत्र था। शेमा योएल का पुत्र था। वे अरोएर से लगातार नबो और बाल्मोन तक के क्षेत्र में रहते थे। **9**बेला के लोग पूर्व में परात नदी के पास, मरुभूमि के किनारे तक रहते थे। वे उस स्थान पर रहते थे क्योंकि गिलाद प्रदेश में उनके पास बहुत से बैल थे। **10**जब शाऊल राजा था, बेला के लोगों ने हग्री लोगों के विरुद्ध युद्ध किया। बेला के लोग उन खेमों में रहे जो हग्री लोगों के थे। वे उन खेमों में रहे और गिलाद के पूर्व के सारे क्षेत्र से होकर यात्रा करते रहे।

मोआबी स्त्रियों ... लौट गये या “उन्होंने मोआब और जशुबिलेहम में शासन किया।”

गाद के वंशज

11गाद के परिवार समूह के लोग रूबेन के परिवार
समूह के पास रहते थे। गादी लोग बाशान के क्षेत्र में
लगातार सल्का नगर तक रहते थे। 12बाशान में योएल
प्रथम प्रमुख था। शापाम दूसरा प्रमुख था। तब यानै
प्रमुख हुआ।* 13परिवार के सात भाई ये थे मीकाएल,
मशुल्लाम, शेबा, योरै, याकान, जी और एबेर। 14वे
लोग अबीहैल के वंशज थे। अबीहैल हूरी का पुत्र था।
हूरी योराह का पुत्र था। योराह गिलाद का पुत्र था।
गिलाद मीकाएल का पुत्र था। मीकाएल यशीशै का पुत्र
था। यशीशै यहदो का पुत्र था। यहदों बूज का पुत्र था।
15अही अब्दीएल का पुत्र था। अब्दीएल गूनी का पुत्र
था। अही उनके परिवार का प्रमुख था। 16गाद के
परिवार समूह के लोग गिलाद क्षेत्र में रहते थे। वे
बाशान क्षेत्र में बाशान के चारों ओर के छोटे नगरों में
और शारोन क्षेत्र के चारागाहों में उसकी सीमाओं तक
निवास करते थे।

17योनातन और यारोबाम के समय में, इन सभी लोगों
के नाम गाद के परिवार इतिहास में लिखे थे। योनातन
यहूदा का राजा था और यारोबाम इस्राएल का राजा था।

युद्ध में निपुण कुछ सैनिक

18मनश्शे के परिवार के आधे तथा रूबेन और गाद
के परिवार समूहों से चौवालीस हजार सात सौ साठ वीर
योद्धा युद्ध के लिये तैयार थे। वे युद्ध में निपुण थे। वे
ढाल–तलवार धारण करते थे। वे धनुष–बाण में भी
कुशल थे। 19उन्होंने हग्री और यतूर, नापीश और
नोदाब लोगों के विरुद्ध युद्ध आरम्भ किया। 20मनश्शे,
रूबेन और गाद परिवार समूह के उन लोगों ने युद्ध में
परमेश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने परमेश्वर से सहायता
मांगी क्योंकि वे उस पर विश्वास करते थे। अत: परमेश्वर
ने उनकी सहायता की। परमेश्वर ने उन्हें हग्री लोगों
को पराजित करने दिया और उन लोगों ने अन्य लोगों
को हराया जो हग्री के लोगों के साथ थे। 21उन्होंने उन
जानवरों को लिया जो हग्री लोगों के थे। उन्होंने पचास
हजार ऊँट, ढ़ाई लाख भेड़ें, दो हजार गधे और एक
लाख लोग लिये। 22बहुत से हग्री लोग मारे गये क्योंकि
परमेश्वर ने रूबेन के लोगों को युद्ध जीतने में सहायता
की। तब मनश्शे, रूबेन और गाद के परिवार समूह के
लोग हग्री लोगों की भूमि पर रहने लगे। वे वहाँ तब तक
रहते रहे जब तक बाबुल की सेना इस्राएल के लोगों को
नहीं ले गई और जब तक बाबुल में उन्हें बन्दी नहीं
बनाया गया।

23मनश्शे के परिवार समूह के आधे लोग बाशान के
क्षेत्र के लगातार बाल्हेर्मोन, सनीर और हेर्मोन पर्वत
तक रहते थे। वे एक विशाल जन समूह वाले लोग बन
गये। 24मनश्शे के परिवार समूह के आधे के प्रमुख ये
थे: एपेर, यिशी, एलीएल, अज्रीएल, यिर्मयाह, होदब्याह
और यहदीएल। वे सभी शक्तिशाली और वीर पुरुष थे।
वे प्रसिद्ध पुरुष थे और वे अपने परिवार के प्रमुख थे।
25किन्तु उन प्रमुखों ने उस परमेश्वर के विरुद्ध पाप
किया, जिसकी उपासना उनके पूर्वजों ने की थी। उन्होंने
वहाँ रहने वाले उन व्यक्तियों के असत्य देवताओं की
पूजा करनी आरम्भ की जिन्हें परमेश्वर ने नष्ट किया।
26इस्राएल के परमेश्वर ने पूल को युद्ध में जाने का
इच्छुक बनाया। पूल अश्शूर का राजा था। उसका नाम
तिलगत्पिलनेसेर भी था। वह मनश्शे, रूबेन और गाद
के परिवार समूहों के विरुद्ध लड़ा। उसने उनको अपना
घर छोड़ने को विवश किया और उन्हें बन्दी बनाया।
पूल उन्हें हलह, हाबोर, हारा और गोजान नदी के पास
लाया। इस्राएल के वे परिवार समूह उन स्थानों में उस
समय से अब तक रह रहे हैं।

लेवी के वंशज

6 लेवी के पुत्र गेर्शोन, कहात और मरारी थे। 2कहात
के पुत्र अम्राम, यिसहार, हेब्रोन, और उज्जीएल थे।
3अम्राम के बच्चे हारून, मूसा और मरियम थे।

हारून के पुत्र नादाब, अबीहू, एलीआजार और ईतामार
थे। 4एलीआजार, पीनहास का पिता था। पीनहास, अबीशू
का पिता था। 5अबीशू, बुक्की का पिता था। बुक्की,
उज्जी का पिता था। 6उज्जी, जरह्याह का पिता था।
जरह्याह, मरायोत का पिता था। 7मरायोत, अमर्याह का
पिता था। अमर्याह, अहीतूब का पिता था। 8अहीतूब,
सादोक का पिता था। सादोक, अहीमास का पिता था।
9अहीमास, अजर्याह का पिता था। अजर्याह, योहानान
का पिता था। 10योहानान, अजर्याह का पिता था। (अजर्याह
वह व्यक्ति था जिसने यरूशलेम में सुलैमान द्वारा बनाये
गये मन्दिर में याजक केरूप में सेवा की।) 11अजर्याह,
अमर्याह का पिता था। अमर्याह, अहीतूब का पिता था।
12अहीतूब, सादोक का पिता था। सादोक, शल्लूम का
पिता था। 13शल्लूम, हिलकिय्याह का पिता था।
हिलकिय्याह, अजर्याह का पिता था। 14अजर्याह, सरायाह
का पिता था। सरायाह, यहोसादाक का पिता था।

15यहोसादाक तब अपना घर छोड़ने के लिये विवश
किया गया जब यहोवा ने यहूदा और यरूशलेम को दूर
भेज दिया। वे लोग दूसरे देश में बन्दी बनाए गए थे।
यहोवा ने नबूकदनेस्सर को यहूदा और यरूशलेम के
लोगों को बन्दी बनाने दिया।

लेवी के अन्य वंशज

16लेवी के पुत्र गेर्शोन, कहात, और मरारी थे।
17गेर्शोन के पुत्रों के नाम लिब्नी और शिमी थे।

तब ... हुआ या “तब वहाँ यानै था और शापाम, बाशान में था।”

18कहात के पुत्र यिसहार, हेब्रोन और उज्जीएल थे।
19मरारी के पुत्र महली और मूशी थे। लेवी के परिवार
समूहों के परिवारों की यह सूची है। इनकी सूची उनके
पिताओं के नाम को प्रथम रखकर यह है।
20गेर्शोन के वंशज ये थे: लिब्नी, गेर्शोन का पुत्र था।
यहत, लिब्नी का पुत्र था। जिम्मा, यहत का पुत्र था।
21योआह, जिम्मा का पुत्र था। इद्दो, योआह का पुत्र
था। जेरह, इद्दो का पुत्र था। यातरै जेरह का पुत्र था।
22ये कहात के वंशज थे: अम्मीनादाब, कहात का
पुत्र था। कोरह, अम्मीनादाब का पुत्र था। अस्सीर,
कोरह का पुत्र था। 23एल्काना, अस्सीर का पुत्र था।
एब्यासाप, एल्काना का पुत्र था। अस्सीर, एब्यासाप का
पुत्र था। 24तहत, अस्सीर का पुत्र था। ऊरीएल, तहत
का पुत्र था। उज्जिय्याह, ऊरीएल का पुत्र था। शाऊल,
उज्जिय्याह का पुत्र था।
25एल्काना के पुत्र अमासै और अहीमोत थे। 26सोपै,
एल्काना का पुत्र था। नहत, सोपै का पुत्र था। 27एलीआब,
नहत का पुत्र था। यरोहाम, एलीआब का पुत्र था।
एल्काना, यरोहाम का पुत्र था। शमूएल एल्काना का
पुत्र था।
28शमूएल के पुत्रों में सबसे बड़ा योएल और दूसरा
अबिय्याह था।
29मरारी के ये पुत्र थे: महली, मरारी का पुत्र था।
लिब्नी, महली का पुत्र था। शिमी, लिब्नी का पुत्र था।
उज्जा, शिमी का पुत्र था। 30शिमी, उज्जा का पुत्र था।
हग्गिय्याह, शिमा का पुत्र था। असायाह, हग्गिय्याह का
पुत्र था।

मन्दिर के गायक

31ये वे लोग हैं जिन्हें दाऊद ने यहोवा के भवन के
तम्बू में साक्षीपत्र के सन्दूक रखे जाने के बाद संगीत के
प्रबन्ध के लिये चुना। 32ये व्यक्ति पवित्र तम्बू पर गाकर
सेवा करते थे। पवित्र तम्बू को मिलाप वाला तम्बू भी
कहते हैं और इन लोगों ने तब तक सेवा की जब तक
सुलैमान ने यरूशलेम में यहोवा का मन्दिर नहीं बनाया।
उन्होंने अपने काम के लिए दिये गए नियमों का अनुसरण
करते हुए सेवा की।
33ये नाम उन व्यक्तियों और उनके पुत्रों के हैं जिन्होंने
संगीत के द्वारा सेवा की:
कहाती लोगों के वंशज थे: गायक हेमान। हेमान,
योएल का पुत्र था। योएल, शमूएल का पुत्र था। 34शमूएल,
एल्काना का पुत्र था। एल्काना, यरोहाम का पुत्र था।
यरोहाम एलीएल का पुत्र था। एलीएल तोह का पुत्र था।
35तोह, सूप का पुत्र था। सूप, एल्काना का पुत्र था।
एल्काना, महत का पुत्र था। महत, अमासै का पुत्र था।
36अमासै, एल्काना का पुत्र था। एल्काना, योएल का
पुत्र था। योएल, अजर्याह का पुत्र था। अजर्याह, सपन्याह
का पुत्र था। 37सपन्याह, तहत का पुत्र था। तहत, अस्सीर
का पुत्र था। अस्सीर, एब्यासाप का पुत्र था। एब्यासाप,
कोरह का पुत्र था। 38कोरह, यिसहार का पुत्र था।
यिसहार, कहात का पुत्र था। कहात, लेवी का पुत्र था।
लेवी, इस्राएल का पुत्र था।
39हेमान का सम्बन्धी असाप था। असाप ने हेमान के
दाहिनी ओर खड़े होकर सेवा की। असाप बेरेक्याह का
पुत्र था। बेरेक्याह शिमा का पुत्र था। 40शिमा मीकाएल
का पुत्र था। मीकाएल बासेयाह का पुत्र था। बासेयाह
मल्किय्याह का पुत्र था। 41मल्किय्याह एत्नी का पुत्र
था। एत्नी जेरह का पुत्र था। जेरह अदायाह का पुत्र था।
42अदायाह एतान का पुत्र था। एतान जिम्मा का पुत्र था।
जिम्मा शिमी का पुत्र था। 43शिमी यहत का पुत्र था।
यहत गेर्शोन का पुत्र था। गेर्शोन लेवी का पुत्र था।
44मरारी के वंशज हेमान और असाप के सम्बन्धी थे।
वे हेमान के बांये पक्ष के गायक समूह थे। एताव कीशी
का पुत्र था। कीशी अब्दी का पुत्र था। अब्दी मल्लूक
का पुत्र था। 45मल्लूक हशब्याह का पुत्र था। हशब्याह
अमस्याह का पुत्र था। अमस्याह हिलकिय्याह का पुत्र
था। 46हिलकिय्याह अमसी का पुत्र था। अमसी बानी
का पुत्र था। बानी शेमेर का पुत्र था। 47शेमेर महली का
पुत्र था। महली मूशी का पुत्र था। मूशी मरारी का पुत्र
था। मरारी लेवी का पुत्र था।
48हेमान और असाप के भाई लेवी के परिवार समूह
से थे। लेवी के परिवार समूह के लोग “लेवीवंशी” भी
कहे जाते थे। लेवीय पवित्र तम्बू में काम करने के लिये
चुने जाते थे। पवित्र तम्बू परमेश्वर का घर था। 49किन्तु
केवल हारून के वंशजों को होमबलि की वेदी और
सुगन्धि की वेदी पर सुगन्धि जलाने की अनुमति थी।
हारून के वंशज परमेश्वर के घर में सर्वाधिक पवित्र
तम्बू में सारा काम करते थे। वे इस्राएल के लोगों को
शुद्ध करने के लिये उत्सव भी मनाते थे।* वे उन सब
नियमों और विधियों का अनुसरण करते थे जिनके
लिये मूसा ने आदेश दिया था। मूसा परमेश्वर का सेवक
था।

हारून के वंशज

50हारून के पुत्र ये थे: एलीआज़र हारून का पुत्र था।
पीनहास एलीआज़र का पुत्र था। अबीशू पीनहास का
पुत्र था। बुक्की अबीशू का पुत्र था। उज्जी बुक्की का
पुत्र था। 51बुक्की अबीशू का पुत्र था। उज्जी बुक्की का
पुत्र था। जरह्याह उज्जी का पुत्र था। 52मरायोत जरह्याह
का पुत्र था। अमर्याह मरायोत का पुत्र था। अहीतूब
अमर्याह का पुत्र था। 53सादोक अहीतूब का पुत्र था।
अहीमास सादोक का पुत्र था।

शुद्ध करने ... थे या “प्रायश्चित” करना। हिब्रू शब्द का अर्थ “व्यक्ति के पापों को ढकना या हटाना” था।

लेवीवंशी परिवारों के लिये घर

54ये वे स्थान हैं जहाँ हारून के वंशज रहे। वे उस
भूमि पर जो उन्हें दी गई थी, अपने डेरों में रहते थे।
कहाती परिवार ने उस भूमि का पहला भाग पाया जो
लेवीवंश को दी गई थी। 55उन्हें हेब्रोन नगर और उसके
चारों ओर के खेत दिये गये थे। यह यहूदा क्षेत्र में था।
56किन्तु नगर के दूर के खेत और नगर के समीप के
गाँव, यपुन्ने के पुत्र कालेब को दिये गये थे। 57हारून
के वंशजों को हेब्रोन नगर दिया गया था। हेब्रोन एक
सुरक्षा नगर था। उन्हें लिब्ना, यत्तीर, एशतमो, 58हीलेन,
दबीर, 59आशान, जुत्ता, और बेतशेमेश नगर भी दिये
गए। उन्होंने उन सभी नगरों और उनके चारों ओर के
खेत प्राप्त किये। 60बिन्यामीन के परिवार समूह के
लोगों को गिबोन, गेबा अल्लेमेत, और अनातोत नगर
दिये गए। उन्होंने उन सभी नगरों और उनके चारों
ओर के खेतों को प्राप्त किया। कहाती परिवार को
तेरह नगर दिये गए।

61शेष कहात के वंशजों ने मनश्शे परिवार समूह के
आधे से दस नगर प्राप्त किये।

62गेर्शोम के वंशजों के परिवार समूह ने तेरह नगर
प्राप्त किये। उन्होंने उन नगरों को इस्साकार, आशेर,
नप्ताली और बाशान क्षेत्र में रहने वाले मनश्शे के एक
भाग से प्राप्त किये। 63मरारी के वंशजों के परिवार
समूह ने बारह नगर प्राप्त किये। उन्होंने उन नगरों को
रूबेन, गाद, और जबूलून के परिवार समूहों से प्राप्त
किया। उन्होंने नगरों को गोटे डालकर प्राप्त किया।

64इस प्रकार इस्राएली लोगों ने उन नगरों और खेतों
को लेवीवंशी लोगों को दिया। 65वे सभी नगर, यहूदा,
शिमोन और बिन्यामीन के परिवार समूहों से मिले।
उन्होंने गोटे डालकर यह निश्चय किया कि कौन सा
नगर लेवी का कौन सा परिवार प्राप्त करेगा।

66एप्रैम के परिवार समूह ने कुछ कहाती परिवारों
को कुछ नगर दिये। वे नगर गोटे डालकर चुने गए।
67उन्हें शकेम नगर दिया गया। शकेम सुरक्षा नगर है।
उन्हें गेजेर 68योकमान, बेथोरोन, 69अय्यालोन, और
गत्रिम्मोन भी प्राप्त किये। उन्होंने उन नगरों के साथ
के खेत भी पाये। वे नगर एप्रैम के पहाड़ी प्रदेश में थे
70और इस्राएली लोगों ने, मनश्शे परिवार समूह के
आधे से, आनेर और बिलाम नगरों को कहाती परिवारों
को दिया। उन कहाती परिवारों ने उन नगरों के साथ
खेतों को भी प्राप्त किया।

अन्य लेवीवंशी परिवारों ने घर प्राप्त किये

71गेर्शोमी परिवारों ने मनश्शे परिवार समूह के आधे
से, बाशान और अश्तारोत क्षेत्रों में गोलान के नगरों को
प्राप्त किया। उन्होंने उन नगरों के पास के खेत भी
पाए।

72-73गेर्शोमी परिवार ने केदेश, दाबरात, रामोत और
आनेम नगरों को आशेर परिवार समूह से प्राप्त किया।
उन्होंने उन नगरों के पास के खेतों को भी प्राप्त किया।

74-75गेर्शोमी परिवार ने माशाल, अब्दोन, हूकोक और
रहोब के नगरों को आशेर परिवार समूह से प्राप्त
किया। उन्होंने उन नगरों के पास के खेतों को भी प्राप्त
किया।

76गेर्शोमी परिवार ने गालील में केदेश, हम्मोन और
किर्यतैम नगरों को भी नप्ताली के परिवार समूह से
प्राप्त किया। उन्होंने उन नगरों के पास के खेतों को भी
प्राप्त किया।

77लेवीवंशी लोगों में से शेष मरारी परिवार के हैं।
उन्होंने जेक्रयम, कर्ता, शिम्मोन और ताबोर नगरों को
जबूलून परिवार समूह से प्राप्त किया। उन्होंने उन नगरों
के पास के खेत भी प्राप्त किये।

78-79मरारी परिवार ने मरुभूमि में बेसेर के नगरों,
यहसा, कदेमोत, और मेपाता को भी रूबेन के परिवार
समूह से प्राप्त किया। रूबेन का परिवार समूह यरदन
नदी के पूर्व की ओर यरीहो नगर के पूर्व में रहता था।
इन मरारी परिवारों ने नगर के पास के खेत भी पाये।

80-81मरारी परिवारों ने गिलाद में रामोत, महनैम,
हेशोबोन और याज़ेर नगरों को गाद के परिवार समूह
से प्राप्त किया। उन्होंने उन नगरों के पास के खेत भी
प्राप्त किये।

इस्साकार के वंशज

7 इस्साकार के चार पुत्र थे। उनके नाम तोला,
पूआ, याशूब, और शिम्रोन था।

2तोला के पुत्र उज्जी, रपायाह, यरीएल, यहमै, यिबसाम
और शमूएल थे। वे सभी अपने परिवारों के प्रमुख थे।
वे व्यक्ति और उनके वंशज बलवान योद्धा थे। उनके
परिवार बढ़ते रहे और जब दाऊद राजा हुआ, तब वहाँ
बाईस हजार छः सौ व्यक्ति युद्ध के लिये तैयार थे।

3उज्जी का पुत्र यिज्रह्याह था। यिज्रह्याह के पुत्र मीकाएल,
ओबद्याह, योएल, यिशिश्याह थे। वे सभी पाँचों अपने
परिवारों के प्रमुख थे। 4उनके परिवार का इतिहास यह
बताता है कि उनके पास छत्तीस हजार योद्धा युद्ध के
लिये तैयार थे। उनका बड़ा परिवार था क्योंकि उनकी
बहुत सी स्त्रियाँ और बच्चे थे।

5परिवार इतिहास यह बताता है कि इस्साकार के सभी
परिवार समूहों में सत्तासी हजार शक्तिशाली सैनिक थे।

बिन्यामीन के वंशज

6बिन्यामीन के तीन पुत्र थे। उनके नाम बेला, बेकेर,
और यदीएल थे।

7बेला के पाँच पुत्र थे। उनके नाम एसबोन, उज्जी,
उज्जीएल, यरीमोत, और ईरी थे। वे अपने परिवारों के

प्रमुख थे। उनका परिवार इतिहास बताता है कि उनके पास बाईस हजार चौंतीस सैनिक थे।

8बेकेर के पुत्र जमीरा, योआश, एलीएजेर, एल्योएनै, ओम्री, यरेमोत, अबिय्याह, अनातोत और आलेमेत थे। वे सभी बेकेर के बच्चे थे। 9उनका परिवार इतिहास बताता है कि परिवार प्रमुख कौन थे और उनका परिवार इतिहास यह भी बताता है कि उनके बीस हजार दो सौ सैनिक थे।

10यदीएल का पुत्र बिल्हान था। बिल्हान के पुत्र यूश, बिन्यामीन, एहूद, कनाना, जेतान, तर्शीश और अहीशहर थे। 11यदीएल के सभी पुत्र अपने परिवार के प्रमुख थे। उनके सत्तरह हजार दो सौ सैनिक युद्ध के लिये तैयार थे।

12शुप्पीम और हुप्पीम ईर के वंशज थे। हूशी अहेर का पुत्र था।

नप्ताली के वंशज

13नप्ताली के पुत्र यहसीएल, गूनी, येसेर और शल्लूम थे और ये बिल्हा के वंशज हैं।

मनश्शे के वंशज

14ये मनश्शे के वंशज हैं। मनश्शे का अस्रीएल नामक पुत्र था जो उसकी अरामी रखैल (दासी) से था। उनका माकीर भी था। माकीर गिलाद का पिता था।* 15माकीर ने हुप्पीम और शुप्पीम लोगों की एक स्त्री से विवाह किया। माका की दूसरी पत्नी का नाम सलोफाद था। सलोफाद की केवल पुत्रियाँ थी। माकीर की बहन का नाम भी माका था।

16माकीर की पत्नी माका को एक पुत्र हुआ। माका ने अपने पुत्र का नाम पेरेश रखा। पेरेश के भाई का नाम शेरेश था। शेरेश के पुत्र ऊलाम ओर राकेम थे।

17ऊलाम का पुत्र बदान था।

ये गिलाद के वंशज थे। गिलाद माकीर का पुत्र था। माकीर मनश्शे का पुत्र था। 18माकीर की बहन हम्मोलेकेत के पुत्र ईशहोद, अबीएजेर, और महला थे।

19शमीदा के पुत्र अह्यान, शेकेम, लिखी और अनीआम थे।

एप्रैम के वंशज

20एप्रैम के वंशजों के ये नाम थे। एप्रैम का पुत्र शूतेलह था। शूतेलह का पुत्र बेरेद था। बेरेद का पुत्र तहत था। तहत का पुत्र एलादा था। 21एलादा का पुत्र तहत था। तहत का पुत्र जाबाद था। जाबाद का पुत्र शूतेलह था।

कुछ व्यक्तियों ने जो गत नगर में बड़े हुए थे, येजेर और एलाद को मार डाला। यह इसलिये हुआ कि येजेर और एलाद उन लोगों की गायें और भेड़ें चुराने गत गए थे। 22एप्रैम येजेर और एलाद का पिता था। वह कई दिनों तक रोता रहा क्योंकि येजेर और एलाद मर गए थे। एप्रैम का परिवार उसे सांत्वना देने आया। 23तब एप्रैम ने अपनी पत्नी के साथ शारीरिक सम्बन्ध किया। एप्रैम की पत्नी गर्भवती हुई और उसने एक पुत्र को जन्म दिया। एप्रैम ने अपने नये पुत्र का नाम बरीआ रखा क्योंकि उसके परिवार के साथ कुछ बुरा हुआ था। 24एप्रैम की पुत्री शेरा थी। शेरा ने निम्न बेथोरान तथा उच्च बेथोरान और निम्न उज्जेनशेरा एवं उच्च उज्जेनशेरा बसाया।

25रेपा एप्रैम का पुत्र था। रेशेप रेपा का पुत्र था। तेलह रेशेप का पुत्र था। तहन तेलह का पुत्र था। 26लादान तहन का पुत्र था। अम्मीहूद लादान का पुत्र था। एलीशामा अम्मीहूद का पुत्र था। 27नून एलीशामा का पुत्र था। यहोशू नून का पुत्र था।

28ये वे नगर और प्रदेश हैं जहाँ एप्रैम के वंशज रहते थे। बेतेल और इसके पास के गाँव पूर्व में नारान, गेजेर और पश्चिम में इसके निकट के गाँव, तथा शेकेम तथा अज्जा के रास्ते तक के निकटवर्ती गाँव। 29मनश्शे की भूमि से लगी सीमा पर बेतशान, तानाक, मगिदो नगर तथा दोर और उनके पास के छोटे नगर थे। यूसुफ के वंशज इन नगरों में रहते थे। यूसुफ इस्राएल का पुत्र था।

आशेर के वंशज

30आशेर के पुत्र यिम्ना, यिश्वा, यिश्वी, और बरीआ थे। उनकी बहन का नाम सेरह था।

31बरीआ के हेबेर और मल्कीएल थे। मल्कीएल बिर्जोत का पिता था।

32हेबेर यपलेत, शोमेर, होताम, और उनकी बहन शूआ का पिता था।

33यपलेत के पुत्र पासक, बिम्हाल और अश्वात थे। ये यपलेत के बच्चे थे।

34शेमेर के पुत्र अही, रोहगा, यहुब्बा और अराम थे।

35शेमेर के भाई का नाम हेलेम था। हेलेम के पुत्र सोपह, यिम्ना, शेलेश और आमाल थे।

36सोपह के पुत्र सूह, हर्नेपेर, शूआल, बेरी, इम्रा, 37बेसेर, होद, शम्मा, शिलसा, यित्रान और बेरा थे।

38येतेर के पुत्र यपुन्ने, पिस्पा और अरा थे।

39उल्ला के पुत्र आरह, हन्नीएल, और रिस्या थे।

40ये सभी व्यक्ति आशेर के वंशज थे। वे अपने परिवारों के प्रमुख थे। वे उत्तम पुरुष थे। वे योद्धा और महान प्रमुख थे। उनका पारिवारिक इतिहास बताता है कि छब्बीस हजार सैनिक युद्ध के लिये तैयार थे।

माकीर गिलाद का पिता था या "माकीर गिलाद को बसाने वाला था।"

राजा शाऊल का परिवार इतिहास

8 बिन्यामीन बेला का पिता था। बेला बिन्यामीन का
प्रथम पुत्र था। अशबेल बिन्यामीन का दूसरा पुत्र
था। अहरह बिन्यामीन का तीसरा पुत्र था। 2नोहा
बिन्यामीन का चौथा पुत्र था और रापा बिन्यामीन का
पाँचवाँ पुत्रथा।

3-5बेला के पुत्र अद्दार, गेरा, अबीहूद, अबीशू, नामान,
अहोह, गेरा, शपूपान और हूराम थे।

6-7एहूद के वंशज ये थे। ये गेबा में अपने परिवारों के
प्रमुख थे। वे अपना घर छोड़ने और मानहत में रहने
को विवश किये गए थे। एहूद के वंशज नामान, अहिय्याह,
और गेरा थे। गेरा ने उन्हें घर छोड़ने को विवश किया।
गेरा उज्जा और अहीलूद का पिता था।

8शहरैम ने अपनी पत्नियों हशीम और बारा को मोआब
में तलाक दिया। जब उसने यह किया, उसके कुछ बच्चे
अन्य पत्नी से उत्पन्न हुए। 9-10शहरैम के योआब,
मेशा, मल्काम, यूस, सोक्या, और मिर्मा उसकी पत्नी
होदेश से हुए। वे अपने परिवारों के प्रमुख थे। 11शहरैम
और हशीम के दो पुत्र अबीतूब और एल्पाल थे।

12-13एल्पाल के पुत्र एबेर, मिशाम, शेमेर, बरीआ
और शेमा थे। शेमेर ने ओनो और लोद नगर तथा
लोद के चारों ओर छोटे नगरों को बनाया। बरीआ
और शेमा अय्यालोन में रहने वाले परिवारों के
प्रमुख थे। उन पुत्रों ने गत में रहने वालों को उसे
छोड़ने को विवश किया।

14बरीआ के पुत्र शासक और यरमोत, 15जबद्याह,
अराद, एदेर, 16मीकाएल, यिस्पा और योहा थे। 17एल्पाल
के पुत्र जबद्याह, मशुल्लाम, हिजकी, हेबर, 18यिशमरै,
यिजलीआ और योबाब थे।

19शिमी के पुत्र याकीम, जिक्री, ज़ब्दी, 20एलीएनै,
सिल्लतै, एलीएल, 21अदायाह, बरायाह और शिम्रात थे।

22शाशक के पुत्र यिशपान, यबेर, एलीएल, 23अब्दोन,
जिक्री, हानान, 24हनन्याह, एलाम, अन्तोतिय्याह,
25यिपदयाह और पनूएल थे।

26यरोहाम के पुत्र शमशरै, शहर्याह, अतल्याह,
27योरेश्याह, एलिय्याह, और जिक्री थे।

28ये सभी व्यक्ति अपने परिवारों के प्रमुख थे। वे
अपने परिवार के इतिहास में प्रमुख के रूप में अंकित
थे। वे यरूशलेम में रहते थे।

29येयील गिबोन का पिता था। वह गिबोन नगर में
रहता था। येयील की पत्नी का नाम माका था। 30येयील
का सबसे बड़ा पुत्र अब्दोन था। अन्य पुत्र शूर, कीश,
बाल, नेर, नादाब, 31गदोर, अह्यो, जेकेर, और मिकोत
थे। 32मिकोत शिमा का पिता था। ये पुत्र भी यरूशलेम
में अपने सम्बन्धियों के निकट रहते थे।

33नेर, कीश का पिता था। कीश शाऊल का पिता था
और शाऊल योनातान, मलकीश, अबीनादाब और
एशबाल का पिता था। 34योनातान का पुत्र मरीब्बाल
था। मरीब्बाल मीका का पिता था।

35मीका के पुत्र पीतोन, मेलेक, तारे और आहाज थे।

36आहाज यहोअद्दा का पिता था। यहोअद्दा आलेमेत,
अजमावेत और जिम्री का पिता था। जिम्री मोसा का
पिता था। 37मोसा बिना का पिता था। रापा बिना का पुत्र
था। एलासा रापा का पुत्र था और आसेल एलासा का
पुत्र था। 38आसेल के छः पुत्र थे। उनके नाम अज्रीकाम,
बोकरू, यिश्माएल, शार्याह, ओबद्याह और हानान थे। ये
सभी पुत्र आसेल की सन्तान थे।

39आसेल का भाई एशेक था। एशेक के कुछ पुत्र थे।
एशेक के ये पुत्र थे: ऊलाम एशेक का सबसे बड़ा पुत्र
था। यूशा एशेक का दूसरा पुत्र था। एलीपेलेत एशेक का
तीसरा पुत्र था। 40ऊलाम के पुत्र बलवान योद्धा और
धनुष–बाण के प्रयोग में कुशल थे। उनके बहुत से पुत्र
और पौत्र थे। सब मिलाकर डेढ़ सौ पुत्र और पौत्र थे। ये
सभी व्यक्ति बिन्यामीन के वंशज थे

9 इस्राएल के लोगों के नाम उनके परिवार के इतिहास
में अंकित थे। वे परिवार इतिहास इस्राएल के
राजाओं के इतिहास में रखे गए थे।

यरूशलेम के लोग

यहूदा के लोग बन्दी बनाए गए थे और बाबेल को जाने
को विवश किये गये थे। वे उस स्थान पर इसलिये ले
जाए गए, क्योंकि वे परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्य
नहीं थे। 2सबसे पहले लौट कर आने वाले और अपने
नगरों और अपने प्रदेश में रहने वाले लोगों में कुछ
इस्राएली, याजक, लेवीवंशी और मन्दिर में सेवा करने
वाले सेवक थे।

3यरूशलेम मे रहने वाले यहूदा, बिन्यामीन, एप्रैमी
और मनश्शे के परिवार समूह के लोग ये हैं:

4ऊतै अम्मीहूद का पुत्र था। अम्मीहूद ओम्री का पुत्र
था। ओम्री इम्री का पुत्र था। इम्री बानी का पुत्र था। बानी
पेरेस का वंशज था। पेरेस यहूदा का पुत्र था।

5शिलोई लोग जो यरूशलेम में रहते थे, ये थे: असायाह,
सबसे बड़ा पुत्र था और असायाह के पुत्र थे।

6जेरह लोग, जो यरूशलेम में रहते थे, ये थे: यूएल
और उसके सम्बन्धी, वे सब मिलाकर छः सौ नब्बे थे।

7बिन्यामीन के परिवार समूह से जो लोग यरूशलेम में
थे, वे ये हैं: सल्लू मशुल्लाम का पुत्र था। मशुल्लाम
होदव्याह का पुत्र था। होदव्याह हस्सनूआ का पुत्र था।
8यिब्निय्याह यरोहाम का पुत्र था। एला उज्जी का पुत्र था।
उज्जी मिक्री का पुत्र था। मशुल्लाम शपत्याह का पुत्र
था। शपत्याह रूएल का पुत्र था। रूएल यिब्निय्याह का
पुत्र था। 9बिन्यामीन का परिवार इतिहास बताता है कि
यरूशलेम में उनके नौ सौ छप्पन व्यक्ति रहते थे। वे
सभी व्यक्ति अपने परिवारों के प्रमुख थे।

10ये वे याजक हैं जो यरूशलेम में रहते थे: यदायाह,
यहोयारीब, याकीन और अजर्याह! **11**अजर्याह
हिलकिय्याह का पुत्र था। हिलकिय्याह मशुल्लाम का
पुत्र था। मशुल्लाम सादोक का पुत्र था। सादोक मरायोत
का पुत्र था। मरायोत अहीतूब परमेश्वर के मन्दिर के
लिये विशेष उत्तरदायी अधिकारी था। **12**वहाँ यरोहाम
का पुत्र अदायाह भी था। यरोहाम पशहूर का पुत्र था।
पशहूर मल्कियाह का पुत्र था और वहाँ अदोएल का
पुत्र मासै था। अदोएल जहजेश का पुत्र था। जेरा मशुल्लाम
का पुत्र था। मशुल्लाम मशिल्लीत का पुत्र था। मशिल्लीत
इम्मेर का पुत्र था।

13वहाँ एक हजार सात सौ साठ याजक थे। वे अपने
परिवारों के प्रमुख थे। वे परमेश्वर के मन्दिर में सेवा
करने के कार्य के लिये उत्तरदायी थे।

14लेवी के परिवार समूह से जो लोग यरूशलेम में
रहते थे, वे ये हैं: हश्शूब का पुत्र शमायाह। हश्शूब
अज्रीकाम का पुत्र था। अज्रीकाम हशव्याह का पुत्र था।
हशव्याह मरारी का वंशज था। **15**यरूशलेम में
बकबक्कर, हेरेश, गालाल और मत्तन्याह भी रहे थे।
मत्तन्याह मीका का पुत्र था। मीका जिक्री का पुत्र था।
जिक्री आसाप का पुत्र था। **16**ओबद्याह शमायाह का पुत्र
था। शमायाह गालाल का पुत्र था। गालाल यदूतून का
पुत्र था और आसा का पुत्र बेरेक्याह यरूशलेम में रहता
था। आसा एल्काना का पुत्र था। एल्काना तोपा लोगों
के पास एक छोटे नगर में रहता था।

17ये वे द्वारपाल हैं जो यरूशलेम में रहते थे: शल्लूम,
अक्कूब, तल्मोन, अहीमान और उनके सम्बन्धी।
शल्लूम उनका प्रमुख था। **18**अब ये व्यक्ति पूर्व की
ओर राजा के द्वार के ठीक बाद में खड़े रहते हैं। वे
द्वारपाल लेवी परिवार समूह से थे। **19**शल्लूम कोरे का
पुत्र था। कोरे एब्यासाप का पुत्र था। एब्यासाप कोरह
का पुत्र था। शल्लूम और उसके भाई द्वारपाल थे। वे
कोरे परिवार से थे। उन्हें पवित्र तम्बू केद्वार की रक्षा
करने का कार्य करना था। वे इसे वैसे ही करते थे जैसे
इनके पूर्वजों ने इनके पहले किया था। उनके पूर्वजों
का यह कार्य था कि वे पवित्र तम्बू के द्वार की रक्षा
करें। **20**अतीत में, पीनहास द्वारपालों का निरीक्षक था।
पीनहास एलीआज़र का पुत्र था। यहोवा पीनहास के
साथ था। **21**जकर्याह पवित्र तम्बू के द्वार का द्वारपाल
था।

22सब मिलाकर दो सौ बारह व्यक्ति पवित्र तम्बू के
द्वार की रक्षा के लिये चुने गए थे। उनके नाम उनके
परिवार इतिहास में उनके छोटे नगरों में लिखे हुए थे।
दाऊद और शमूएल नबी ने उन लोगों को चुना, क्यों
कि उन पर विश्वास किया जा सकता था। **23**द्वारपालों
और उनके वंशजों का उत्तरदायित्व यहोवा के मन्दिर,
पवित्र तम्बू की रक्षा करना था। **24**वहाँ चारों तरफ द्वार
थे: पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण। **25**द्वारपालों के
सम्बन्धियों को, जो छोटे नगर में रहते थे, समय-समय
पर आकर उनको सहायता करनी पड़ती थी। वे आते
थे और हर बार सात दिन तक द्वारपालों की सहायता
करते थे।

26द्वारपालों के चार प्रमुख द्वारपाल वहाँ थे। वे लेवीवंशी
पुरुष थे। उनका कर्तव्य परमेश्वर के मन्दिर के कमरों
और खजाने की देखभाल करना था। **27**वे रात भर
परमेश्वर के मन्दिर की रक्षा में खड़े रहते थे और
परमेश्वर के मन्दिर को प्रतिदिन प्रात: खोलने का
उनका काम था।

28कुछ द्वारपालों का काम मन्दिर की सेवा में काम
आने वाली तश्तरियों की देखभाल करना था। वे इन
तश्तरियों को तब गिनते थे जब वे भीतर लाई जाती थीं
वे इन तश्तरियों को तब भी गिनते थे जब वे बाहर जाती
थीं। **29**अन्य द्वारपाल सज्जा-सामग्री और उन विशेष
तश्तरियों की देखभाल के लिये चुने जाते थे। वे आटे,
दाखमधु, तेल, सुगन्धि और विशेष तेल की भी देखभाल
करते थे। **30**किन्तु केवल याजक ही विशेष तेल को
मिश्रित करने का काम करते थे।

31एक मतित्याह नामक लेवीवंशी था जिसका काम
भेंट में उपयोग के लिये रोटी पकाना था। मतित्याह
शल्लूम का सबसे बड़ा पुत्र था। शल्लूम कोरह परिवार
का था। **32**द्वारपालों में से कुछ जो कोरह परिवार के
थे, प्रत्येक सब्त को मेज पर रखी जाने वाली रोटी को
तैयार करने का काम करते थे।

33वे लेवीवंशी जो गायक थे और अपने परिवारों के
प्रमुख थे, मन्दिर के कमरों में ठहरते थे। उन्हें अन्य
काम नहीं करने पड़ते थे क्योंकि वे मन्दिर में दिन-रात
काम के लिये उत्तरदायी थे।

34ये सभी लेवीवंशी अपने परिवारों के प्रमुख थे। वे
अपने परिवार के इतिहास में प्रमुख के रूप में अंकित
थे। वे यरूशलेम में रहते थे।

राजा शाऊल का परिवार इतिहास

35यीएल गिबोन का पिता था। यीएल गिबोन नगर में
रहता था। यीएल की पत्नी का नाम माका था। **36**यीएल
का सबसे बड़ा पुत्र अब्दोन था। अन्य पुत्र सूर, कीश,
बाल, नेर, नादाब, **37**गदोर, अह्यो, जकर्याह और मिल्कोत
थे। **38**मिल्कोत शिमाम का पिता था। यीएल का परिवार
अपने सम्बन्धियों के साथ यरूशलेम में रहता था।

39नेर कीश का पिता था। कीश शाऊल का पिता था
और शाऊल योनातान, मल्कीश, अबीनादाब, और
एशबाल का पिता था। **40**योनातान का पुत्र मरीब्बाल
था। मरीब्बाल मीका का पिता था।

41मीका के पुत्र पीतोन, मेलेक, तहरे, और अहाज
थे। **42**अहाज जदा का पिता था। जदा यारा का पिता

था* यारा आलेमेत, अजमावेत और जिम्री का पिता था। जिम्री मोसा का पिता था। **43**मोसा बिना का पुत्र था। रपायाह बिना का पुत्र था। एलासा रपायाह का पुत्र था और आसेल एलासा का पुत्र था।

44आसेल के छ: पुत्र थे। उनके नाम थे: अज्रीकाम, बोकरू, यिश्माएल, शार्याह, ओबद्याह, और हनान। वे आसेल के बच्चे थे।

राजा शाऊल की मृत्यु

10 पलिश्ती लोग इस्राएल के लोगों के विरुद्ध लड़े। इस्राएल के लोग पलिश्तियों के सामने भाग खड़े हुए। बहुत से इस्राएली लोग गिलबो पर्वत पर मारे गए। **2**पलिश्ती लोग शाऊल और उसके पुत्रों का पीछा लगातार करते रहे। उन्होंने उनको पकड़ लिया और उन्हें मार डाला। पलिश्तियों ने शाऊल के पुत्रों योनातान, अबीनादाब और मल्कीशू को मार डाला। **3**शाऊल के चारों ओर युद्ध घमासान हो गया। धनुर्धारियों ने शाऊल पर अपने बाण छोड़े और उसे घायल कर दिया।

4तब शाऊल ने अपने कवच वाहक से कहा, "अपनी तलवार बाहर खींचो और इसका उपयोग मुझे मारने में करो। तब वे खतनारहित जब आएंगे तो न मुझे चोट पहुँचायेंगे न ही मेरी हँसी उड़ायेंगे।"

किन्तु शाऊल का कवच वाहक भयभीत था। उसने शाऊल को मारना अस्वीकार किया। तब शाऊल ने अपनी तलवार का उपयोग स्वयं को मारने के लिये किया। वह अपनी तलवार की नोक पर गिरा। **5**कवच वाहक ने देखा कि शाऊल मर गया। तब उसने स्वयं को भी मार डाला। वह अपनी तलवार की नोक पर गिरा और मर गया। **6**इस प्रकार शाऊल और उसके तीन पुत्र मर गए। शाऊल का सारा परिवार एक साथ मर गया।

7घाटी में रहने वाले इस्राएल के सभी लोगों ने देखा कि उनकी अपनी सेना भाग गई। उन्होंने देखा कि शाऊल और उसके पुत्र मर गए। इसलिये उन्होंने अपने नगर छोड़े और भाग गए। तब पलिश्ती उन नगरों में आए जिन्हें इस्राएलियों ने छोड़ दिया था और पलिश्ती उन नगरों में रहने लगे।

8अगले दिन, पलिश्ती लोग शवों की बहुमूल्य वस्तुएँ लेने आए। उन्होंने शाऊल के शव और उसके पुत्रों के शवों को गिबोन पर्वत पर पाया। **9**पलिश्तियों ने शाऊल के शव से चीज़ें उतारीं। उन्होंने शाऊल का सिर और कवच लिया। उन्होंने अपने पूरे देश में अपने असत्य देवताओं और लोगों को सूचना देने के लिये दूत भेजे। **10**पलिश्तियों ने शाऊल के कवच को अपने असत्य देवता के मन्दिर में रखा। उन्होंने शाऊल के सिर को दागोन के मन्दिर में लटकाया।

11याबेश गिलाद नगर में रहने वाले सब लोगों ने वह हर एक बात सुनी जो पलिश्ती लोगों ने शाऊल के साथ की थी। **12**याबेश के सभी वीर पुरुष शाऊल और उसके पुत्रों का शव लेने गए। वे उन्हें याबेश में वापस ले आए। उन वीर पुरुषों ने शाऊल और उसके पुत्रों की अस्थियों को, याबेश में एक विशाल पेड़ के नीचे दफनाया। तब उन्होंने अपना दु:ख प्रकट किया और सात दिन तक उपवास रखा।

13शाऊल इसलिये मरा कि वह यहोवा के प्रति विश्वासपात्र नहीं था। शाऊल ने यहोवा के आदेशों का पालन नहीं किया। शाऊल एक माध्यम के पास गया और **14**यहोवा को छोड़कर उससे सलाह माँगी। यही कारण है कि यहोवा ने उसे मार डाला और यिशै के पुत्र दाऊद को राज्य दिया।

दाऊद इस्राएल का राजा होता है

11 इस्राएल के सभी लोग हेब्रोन नगर में दाऊद के पास आए। उन्होंने दाऊद से कहा, "हम तुम्हारे ही रक्त–माँस हैं। **2**अतीत में, तुमने युद्ध में हमारा संचालन किया। तुमने हमारा तब भी संचालन किया जब शाऊल राजा था। हे दाऊद, यहोवा ने तुझ से कहा, 'तुम मेरे लोगों अर्थात् इस्राएल के लोगों के गड़रिया हो। तुम मेरे लोगों के ऊपर शासक होगे।'"

3इस्राएल के सभी प्रमुख दाऊद के पास हेब्रोन नगर में आए। दाऊद ने हेब्रोन में उन प्रमुखों के साथ यहोवा के सामने एक वाचा की। प्रमुखों ने दाऊद का अभिषेक किया। इस प्रकार उसे इस्राएल का राजा बनाया गया। यहोवा ने वचन दिया था कि यह होगा। यहोवा ने शमूएल का उपयोग यह वचन देने के लिये किया था।

दाऊद यरूशलेम पर अधिकार करता है

4दाऊद और इस्राएल के सभी लोग यरूशलेम नगर को गए। यरूशलेम उन दिनों यबूस कहा जाता था। उस नगर में रहने वाले लोग यबूसी कहे जाते थे। **5**उस नगर के निवासियों ने दाऊद से कहा, "तुम हमारे नगर के भीतर प्रवेश नहीं कर सकते।" किन्तु दाऊद ने उन लोगों को पराजित कर दिया। दाऊद ने सिय्योन के किले पर अधिकार कर लिया। यह स्थान "दाऊद नगर" बना।

6दाऊद ने कहा, "वह व्यक्ति जो यबूसी लोगों पर आक्रमण का संचालन करेगा, मेरी पूरी सेना का सेनापति होगा।" अत: योआब ने आक्रमण का संचालन किया। योआब सरूयाह का पुत्र था। योआब सेना का सेनापति हो गया।

7तब दाऊद ने किले में अपना महल बनाया। यही कारण है उसका नाम दाऊद नगर पड़ा। **8**दाऊद ने किले के चारों ओर नगर बसाया। उसने इसे मिल्लो से

अहाज जदा ... था हिब्रू में केवल "अहाज यारा का पिता था।"

नगर के चारों ओर की दीवार तक बसाया। योआब ने नगर के अन्य भागों की मरम्मत की। **9**दाऊद महान बनता गया। सर्वशक्तिमान यहोवा उसके साथ था।

दाऊद के विशिष्ठ वीर

10दाऊद के विशिष्ठ वीरों के ऊपर के प्रमुखों की यह सूची है: ये वीर दाऊद के साथ उसके राज्य में बहुत शक्तिशाली बन गये। उन्होंने और इस्राएल के सभी लोगों ने दाऊद की सहायता की और उसे राजा बनाया। यह ठीक वैसा ही हुआ जैसा परमेश्वर ने वचन दिया था।

11यह दाऊद के विशिष्ठ वीरों की सूची है: यशोबाम हक्मोनी लोगों में से था। यशोबाम रथ अधिकारियों* का प्रमुख था। यशोबाम ने अपने भाले का उपयोग तीन सौ व्यक्तियों से युद्ध करने के लिये किया। उसने एक ही बार में उन तीन सौ व्यक्तियों को मार डाला।

12एलीआज़ार दाऊद के विशिष्ठ वीरों में दूसरा था। एलीआज़ार दोदो का पुत्र था। दोदो अहोही से था। एलीआज़ार तीन वीरों में से एक था। **13**एलीआज़ार पसदम्मीम में दाऊद के साथ था। पलिश्ती लोग उस स्थान पर युद्ध करने आये। उस स्थान पर एक जौ से भरा खेत था। वही स्थान, जहाँ इस्राएली लोग पलिश्ती लोगों से भागे थे। **14**किन्तु वे तीन वीर उस खेत के बीच रुक गए थे और पलिश्तियों से लड़े तथा उन्हें हरा डाला था और इस प्रकार यहोवा ने इस्राएलियों को बड़ी विजय दी थी।

15एक बार, दाऊद अदुल्लाम गुफा के पास था और पलिश्ती सेना नीचे रपाईम की घाटी में थी। तीस वीरों में से तीन वीर उस गुफा तक, लगातार रेंगते हुए दाऊद के पास पहुँचे।

16अन्य अवसर पर, दाऊद किले में था, और पलिश्ती सेना का एक समूह बेतलेहेम में था। **17**दाऊद प्यासा था। अत: उसने कहा, "मैं चाहता हूँ कि मुझे कोई थोड़ा पानी बेतलेहेम में नगर द्वार के पास के कुएँ से दें।"* दाऊद सचमुच यह नहीं चाहता था। वह केवल बात कर रहा था।

18तब तीन वीरों ने पलिश्ती सेना के बीच से युद्ध करते हुए अपना रास्ता बनाया और नगर–द्वार के निकट बेतलेहेम के कुएँ से पानी लिया। तीनों वीर दाऊद के पास पानी ले गए। किन्तु दाऊद ने पानी पीने से इन्कार कर दिया। उसने पानी को यहोवा के नाम पर अर्पण कर, उण्डेल दिया। **19**दाऊद ने कहा, "परमेश्वर, मैं इस पानी को नहीं पी सकता। इन व्यक्तियों ने मेरे लिये इस पानी को लाने में अपने जीवन को खतरे में डाला। अत: यदि मैं इस पानी को पीता हूँ तो यह उनका खून पीने के समान होगा।" इसलिये दाऊद ने उस जल को पीने से इन्कार किया। तीनों वीरों ने उस तरह के बहुत से वीरता के काम किये।

अन्य वीर योद्धा

20योआब का भाई, अबीशै, तीन वीरों का प्रमुख था। वह अपने भाले से तीन सौ व्यक्तियों से लड़ा और उन्हें मार डाला। अबीशै तीन वीरों की तरह प्रसिद्ध हो गया। **21**अबीशै तीस वीरों से अधिक प्रसिद्ध था। वह उनका प्रमुख हो गया, यद्यपि वह तीन प्रमुख वीरों में से नहीं था।

22यहोयादा का पुत्र बनायाह, कबजेल का एक वीर योद्धा था। बनायाह ने बड़े पराक्रम किये। उसने मोआब देश के दो सर्वोत्तम व्यक्तियों को मार डाला। वह जमीन के अन्दर एक माँद में घुसा और वहाँ एक शेर को भी मार डाला। वह उस दिन हुआ जब बर्फ गिर रही थी। **23**बनायाह ने मिस्र के एक व्यक्ति को मार डाला। वह व्यक्ति लगभग पाँच हाथ ऊँचा था। उस मिस्र के पुरुष के पास एक बहुत बड़ा और भारी भाला था। यह बुनकर के करघे के विशाल डण्डे के समान था और बनायाह के पास केवल एक लाठी थी। किन्तु बनायाह ने मिस्री से भाला छीन लिया। बनायाह ने मिस्री के अपने भाले का उपयोग किया और उसे मार डाला। **24**ये कार्य थे जिन्हें योहयादा के पुत्र बनायाह ने किये। बनायाह तीन वीरों की तरह प्रसिद्ध हुआ।

25बनायाह तीस वीरों में सबसे अधिक प्रसिद्ध था, किन्तु वह तीन प्रमुख वीरों में सम्मिलित नहीं किया गया। दाऊद ने बनायाह को अपने अंगरक्षकों का प्रमुख चुना।

तीस वीर

26बलिष्ठ वीर (तीस वीर) ये थे: असाहेल, योआब का भाई, एल्हानान, दोदो का पुत्र एल्हानान बेतलेहेम नगर का था; **27**हरोरी लोगों में से शम्मोत; पलोनी लोगों में से हेलेस; **28**इक्केश का पुत्र, ईरा, ईरा तकोई नगर का था; अनातोत नगर का अबीएजेर; **29**होसाती लोगों में से सिब्बके; अहोही से ईलै; **30**नतोपाई लोगों में से महरै; बाना का पुत्र हेलेद, हेलेद नतोपाई लोगों में से था; **31**रीबै का पुत्र इतै, इतै बिन्यामीन के गिबा नगर से था; पिरातोनी लोगों में से बनायाह; **32**गाश घाटियों से हूरै; अराबा लोगों में से अबीएल; **33**बहूरीमी लोगों में से अजमावेत; शल्बोनी लोगों में से एल्यहबा; **34**हाशेम के पुत्र गीजोई हाशेम लोगों में से था; शागे का पुत्र योनातान, योनातान हरारी लोगों में से था; **35**सकार का पुत्र अहीआम, अहीआम हरारी लोगों में से था; ऊर का पुत्र

रथ अधिकारियों या इसका अर्थ "तीस" या तीन हो सकता है। देखें 2शमू. 23:8

बेतलेहेम में … से दें यह दाऊद का निवास स्थान था। यही कारण था कि दाऊद ने उस कुँए से पानी पीने की बात सोची।

एलीपाल; **36**मेकराई लोगों में से हेपेर; पलोनी लोगों में
से अहिय्याह; **37**कर्मेली लोगों में से हेस्रो, एज्बै का पुत्र
नारै; **38**नातान का भाई योएल; हग्री का पुत्र मिभार;
39अम्मोनी लोगों में से सेलेक; बेरोती नहरै, (नहरै
योआब का कवचवाहक था। योआब सरूयाह का पुत्र
था।); **40**येतेरी लोगों में से ईरा; इथ्री लोगों में से गारेब;
41हित्ती लोगों में से ऊरिय्याह; अहलै का पुत्र जाबाद;
42शीजा का पुत्र अदीना, शीजा रूबेन के परिवार समूह
से था। (अदीना रूबेन के परिवार समूह का प्रमुख था।
परन्तु वह भी अपने साथ के तीस वीरों में से एक था।);
43माका का पुत्र हानान; मेतेनी लोगों में से योशापात;
44अशतारोती लोगों में से उज्जिय्याह; होताम के पुत्र
शामा और यीएल, होताम अरोएरी लोगों में से था;
45शिम्री का पुत्र यदीएल; तीसी लोगों से योहा, योहा
यदीएल का भाई था; **46**महवीमी लोगों में से एलीएल;
एलनाम के पुत्र यरीबै और योशव्याह; मोआबी लोगों में
से यित्मा; **47**मसोबाई लोगों में से एलीएल; ओबेद; और
यासीएल।

वे वीर पुरुष जो दाऊद के साथ हुए

12 यह उन पुरुषों की सूची है जो दाऊद के पास
आए। जब दाऊद सिकलग नगर में था। दाऊद
तब भी कीश के पुत्र शाऊल से अपने को छिपा रहा
था। इन पुरुषों ने दाऊद को युद्ध में सहायता दी थी। **2**ये
व्यक्ति अपने दायें या बायें हाथ से धनुष से बाण द्वारा बेध
सकते थे। अपनी गुलेल से दांये या बांये हाथ से पत्थर
फेंक सकते थे। वे बिन्यामीन परिवार समूह के शाऊल
के सम्बन्धी थे। उनके नाम ये थे:

3उनका प्रमुख अहीएजेर और योआज (अहीएजेर
और योआज शमाआ के पुत्र थे। शमाआ गिबावासी
लोगों में से था।); यजीएल और पेलेत (यजीएल और
पेलेत अजमावेत के पुत्र थे।); अनातोती नगर के बराका
और येहू। **4**गिबोनी नगर का यिशमायाह, (यिशमायाह
तीनों वीरों के साथ एक वीर था और वह तीन वीरों का
प्रमुख भी था।); गदेरा लोगों में से यिर्मयाह, यहजीएल,
योहानान और योजाबाद; **5**एलूजै, यरीमोत बाल्याह, और
शमर्याह; हारूपी से शपत्याह; **6**कोरह परिवार समूह से
एल्काना, यिशिय्याह, अजरेल, योएजेर और याशोबाम
सभी; **7**गदोर नगर से यरोहाम के पुत्र योएला और
जबद्याह।

गादी लोग

8गाद के परिवार समूह का एक भाग मरुभूमि में
दाऊद से उसके किले में आ मिला। वे युद्ध के लिये
प्रशिक्षित सैनिक थे। वे भाले और ढाल के उपयोग में
कुशल थे। वे सिंह की तरह भयानक दिखते थे और वे
हिरन की तरह पहाड़ों में दौड़ सकते थे।

9गाद के परिवार समूह की सेना का प्रमुख एजेर था।
ओबद्याह अधिकार में दूसरा था। एलीआब अधिकार में
तीसरा था। **10**मिश्मन्ना अधिकार में चौथा था। यिर्मयाह
अधिकार में पाँचवाँ था। **11**अत्तै अधिकार में छठा था।
एलीएल अधिकार में सातवाँ था। **12**योहानान अधिकार
में आठवाँ था। एलजाबाद अधिकार में नवाँ था।**13**यिर्मयाह
अधिकार में दसवाँ था। मकबन्नै अधिकार में ग्यारहवाँ
था।

14वे लोग गादी सेना के प्रमुख थे। उस समूह का सबसे
कमजोर सैनिक भी शत्रु के सौ सैनिकों से युद्ध कर
सकता था। उस समूह का सर्वाधिक बलिष्ठ सैनिक
शत्रु के एक हजार सैनिकों से युद्ध कर सकता था।
15गाद के परिवार समूह के वे सैनिक थे जो वर्ष के
पहले महीने में यरदन के उस पार गए। यह वर्ष का वह
समय था, जब यरदन नदी में बाढ़ आयी थी। उन्होंने
घाटियों में रहने वाले सभी लोगों का पीछा करके
भगाया। उन्होंने उन लोगों को पूर्व और पश्चिम में पीछा
करके भगाया।

अन्य योद्धा दाऊद के साथ आते हैं

16बिन्यामीन और यहूदा के परिवार समूह के अन्य
लोग भी दाऊद के पास किले में आए। **17**दाऊद उनसे
मिलने बाहर निकला। दाऊद ने उनसे कहा, "यदि तुम
लोग शान्ति के साथ मेरी सहायता करने आए हो तो, मैं
तुम लोगों का स्वागत करता हूँ। मेरे साथ रहो। किन्तु
यदि तुम मेरे विरुद्ध जासूसी करने आए हो, जबकि मैंने
तुम्हारा कुछ भी बुरा नहीं किया है, तो हमारे पूर्वजो का
परमेश्वर देखेगा कि तुमने क्या किया और दण्ड देगा।"

18अमासै तीस वीरों का प्रमुख था। अमासै पर आत्मा
उत्तरी। अमासै ने कहा,

"दाऊद, हम तुम्हारे हैं! यिशै–पुत्र, हम तुम्हारे साथ
हैं! शान्ति, शान्ति हो तुम्हारे साथ! शान्ति उन लोगों को
जो तुम्हारी सहायता करे। क्यों? क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर,
तुम्हारा सहायता करता है!"

तब दाऊद ने इन लोगों का स्वागत किया। उसने
अपनी सेना में उन्हें प्रमुख बनाया।

19मनश्शे के परिवार समूह के कुछ लोग भी दाऊद
के साथ हो गये। वे दाऊद के साथ तब हुए जब वह
पलिश्तियों के साथ शाऊल से युद्ध करने गया। किन्तु
दाऊद और उसके लोगों ने वास्तव में पलिश्तियों की
सहायता नहीं की। पलिश्तियों के प्रमुख दाऊद के विषय
में सहायक के रूप में बातें करते रहे, किन्तु तब उन्होंने
उसे भेज देने का निर्णय लिया। उन शासकों ने कहा,
"यदि दाऊद अपने स्वामी शाऊल के पास जाएगा, तो
हमारे सिर काट डाले जाएंगे!" **20**ये मनश्शे के लोग थे
जो दाऊद के साथ उस समय मिले जब वह सिकलग:
अदना, योजाबाद, यदीएल, मीकाएल, योजाबाद, एलीहू

और सिल्लतै नगरों को गया। वे सभी मनश्शे के परिवार
समूह के सेनाध्यक्ष थे। 21वे दाऊद की सहायता बुरे
लोगों से युद्ध करने में करते थे। वे बुरे लोग पूरे देश में
घूमते थे और लोगों की चीजें चुराते थे। मनश्शे के ये
सभी वीर योद्धा थे। वे दाऊद की सेना में प्रमुख हुए।
22दाऊद की सहायता के लिये प्रतिदिन अधिकाधिक
व्यक्ति आते रहे। इस प्रकार दाऊद के पास विशाल
और शक्तिशाली सेना हो गई।

हेब्रोन में अन्य लोग दाऊद के साथ आते हैं

23हेब्रोन नगर में जो लोग दाऊद के पास आए, उनकी
संख्या यह है। ये व्यक्ति युद्ध के लिये तैयार थे। वे
शाऊल के राज्य को, दाऊद को देने आए। यही वह
बात थी जिसे यहोवा ने कहा था कि होगा। यह उसकी
संख्या है:

24यहूदा के परिवार समूह से छ: हजार आठ सौ
व्यक्ति युद्ध के लिये तैयार थे। वे भाले और ढाल रखते
थे।

25शिमोन के परिवार समूह से सात हजार एक सौ
व्यक्ति थे। वे युद्ध के लिये तैयार वीर सैनिक थे।

26लेवी के परिवार समूह से चार हजार छ: सौ पुरुष
थे। 27यहोयादा उस समूह में था। वह हारून के परिवार
से प्रमुख था। यहोयादा के साथ तीन हजार सात सौ पुरुष
थे। 28सादोक भी उस समूह में था। वह वीर युवा
सैनिक था। वह अपने परिवार से बाईस अधिकारियों
के साथ आया।

29बिन्यामीन के परिवार समूह से तीन हजार पुरुष थे।
वे शाऊल के सम्बन्धी थे। उस समय तक उनके
अधिकांश व्यक्ति शाऊल परिवार के भक्त रहे।

30एप्रैम के परिवार समूह से बीस हजार आठ सौ पुरुष
थे। वे वीर योद्धा थे। वे अपने परिवार के प्रसिद्ध पुरुष
थे।

31मनश्शे के आधे परिवार समूह से अट्ठारह हजार
पुरुष थे। उनको नाम लेकर आने को बुलाया गया और
दाऊद को राजा बनाने को कहा गया।

32इस्साकार के परिवार से दो सौ बुद्धिमान प्रमुख थे।
वे इस्राएल के लिए उचित समय पर ठीक काम करना
जानते थे। उनके सम्बन्धी उनके साथ थे और उनके
आदेश के पालक थे।

33जबूलून के परिवार समूह से पचास हजार पुरुष थे।
वे प्रशिक्षित सैनिक थे। वे हर प्रकार के अस्त्र–शस्त्र से
युद्ध के लिये तैयार थे। वे दाऊद के बहुत भक्त थे।

34नप्ताली के परिवार समूह से एक हजार अधिकारी
थे। उनके साथ सैंतीस हजार व्यक्ति थे। वे व्यक्ति भाले
और ढाल लेकर चलते थे।

35दान के परिवार समूह से युद्ध के लिये तैयार अट्ठाइस
हजार छ: सौ पुरुष थे।

36आशेर के परिवार समूह से युद्ध के लिये तैयार
चालीस हजार प्रशिक्षित सैनिक थे।

37यरदन नदी के पूर्व से रूबेन, गादी और मनश्शे के
आधे परिवारों से एक लाख बीस हजार पुरुष थे। उन
लोगों के पास हर प्रकार के अस्त्र–शस्त्र थे।

38वे सभी पुरुष वीर योद्धा थे। वे हेब्रोन नगर से दाऊद
को सारे इस्राएल का राजा बनाने की पूरी सलाह करके
आए थे। इस्राएल के अन्य लोगों ने भी सलाह की कि
दाऊद राजा होगा। 39उन लोगों ने दाऊद के साथ हेब्रोन
में तीन दिन बिताए। उन्होंने खाया और पिया, क्योंकि
उनके सम्बन्धियों ने उनके लिये भोजन बनाया था।
40जहाँ इस्साकार, जबूलून, और नप्ताली के समूह रहते
थे, उस क्षेत्र से भी उनके पड़ोसी गधे, ऊँट, खच्चर,
और गायों पर भोजन लेकर आये। वे बहुत सा आटा,
अंजीर–पूड़े, रेशिन, दाखमधु, तेल, गाय–बैल और भेड़ें
लाए। इस्राएल में लोग बहुत खुश थे।

साक्षीपत्र के सन्दूक को वापस लाना

13 दाऊद ने अपनी सेना के सभी अधिकारियों से
बात की। 2तब दाऊद ने इस्राएल के सभी लोगों
को एक साथ बुलाया। उसने उनसे कहा: "यदि तुम
लोग इसे अच्छा विचार समझते हो और यदि यह वही है
जिसे यहोवा चाहता है, तो हम लोग अपने भाईयों को
इस्राएल के सभी क्षेत्रों में सन्देश भेजें। हम लोग उन
याजकों और लेवीवंशियों को भी सन्देश भेजें जो हम
लोगों के भाईयों के साथ नगरों और उनके निकट के
खेतों में रहते हैं। सन्देश में उनसे आने और हमारा साथ
देने को कहा जाये। 3हम लोग साक्षीपत्र के सन्दूक को
यरूशलेम में अपने पास वापस लायें। हम लोगों ने साक्षीपत्र
के सन्दूक की देखभाल शाऊल के शासनकाल में नहीं
की।" 4अत: इस्राएल के सभी लोगों ने दाऊद की सलाह
स्वीकार की। उन सभी ने यही विचार किया कि यही
करना ठीक है। 5अत: दाऊद ने मिस्र की शीहोर नदी
से हमात के प्रवेश द्वार तक के सभी इस्राएल के लोगों
को इकट्ठा किया। वे किर्यत्यारीम नगर से साक्षीपत्र
के सन्दूक को वापस ले जाने के लिये एक साथ आये।
6दाऊद और इस्राएल के सभी लोग उसके साथ यहूदा
के बाला को गये। (बाला किर्यत्यारीम का दूसरा नाम
है।) वे वहाँ साक्षीपत्र के सन्दूक को लाने के लिये गए।
वह साक्षीपत्र का सन्दूक यहोवा परमेश्वर का सन्दूक
है। वह करूब (स्वर्गदूत) के ऊपर बैठता है। यही
सन्दूक है जो यहोवा के नाम से पुकारी जाती है।

7लोगों ने साक्षीपत्र के सन्दूक को अबीनादाब के घर
से हटाया। उन्होंने उसे एक नयी गाड़ी में रखा। उज्जा
और अह्यो गाड़ी को चला रहे थे।

8दाऊद और इस्राएल के सभी लोग परमेश्वर के
सम्मुख उत्सव मना रहे थे। वे परमेश्वर की स्तुति कर

रहे थे तथा गीत गा रहे थे। वे वीणा. तम्बूरा, ढोल, मंजीरा और तुरही बजा रहे थे।

9वे कीदोन की खलिहान में आए। गाड़ी खींचने वाले बैलों को ठोकर लगी और साक्षीपत्र का सन्दूक लगभग गिर गया। उज्जा ने सन्दूक को पकड़ने के लिये अपने हाथ आगे बढ़ाये। **10**यहोवा उज्जा पर बहुत अधिक क्रोधित हुआ। यहोवा ने उज्जा को मार डाला क्योंकि उसने सन्दूक को छू लिया। इस तरह उज्जा परमेश्वर के सामने वहाँ मरा। **11**परमेश्वर ने अपना क्रोध उज्जा पर दिखाया और इससे दाऊद क्रोधित हुआ। उस समय से अब तक वह स्थान “पेरेसुज्जा” कहा जाता है।

12उस दिन दाऊद परमेश्वर से डर गया। दाऊद ने कहा, “मैं साक्षीपत्र के सन्दूक को यहाँ अपने पास नहीं ला सकता।” **13**इसलिये दाऊद साक्षीपत्र के सन्दूक को अपने साथ दाऊद नगर में नहीं ले गया। उसने साक्षीपत्र के सन्दूक को ओबेदेदोम के घर पर छोड़ा। ओबेदेदोम गत नगर से था। **14**साक्षीपत्र का सन्दूक ओबेदेदोम के परिवार में उसके घर में तीन महीने रहा। यहोवा ने ओबेदेदोम के परिवार और उसके यहाँ जो कुछ था, को आशीर्वाद दिया।

दाऊद का राज्य–विस्तार

14 हीराम सोर नगर का राजा था। हीराम ने दाऊद को सन्देश वाहक भेजा। हीराम ने देवदारु के लट्ठे, संगतराश और बढई भी दाऊद के पास भेजे। हीराम ने उन्हें दाऊद के लिये एक महल बनाने के लिये भेजा। **2**तब दाऊद समझ सका कि यहोवा ने उसे सच ही इस्राएल का राजा बनाया है। यहोवा ने दाऊद के राज्य को बहुत विस्तृत और शक्तिशाली बनाया। परमेश्वर ने यह इसलिये किया कि वह दाऊद और इस्राएल के लोगों से प्रेम करता था।

3दाऊद ने यरूशलेम में बहुत सी स्त्रियों के साथ विवाह किया और उसके बहुत से पुत्र और पुत्रियाँ हुई। **4**यरूशलेम में उत्पन्न हुई दाऊद की संतानों के नाम ये हैं: शम्मू, शोबाब, नातान, सुलैमान, **5**यिभार, एलीशू, एलपेलेत, **6**नोगह, नेपेग, यापी, **7**एलीशामा, बेल्यादा, और एलीपेलेद।

दाऊद पलिश्तियों को पराजित करता है

8पलिश्ती लोगों ने सुना कि दाऊद का अभिषेक इस्राएल के राजा के रूप में हुआ है। अत:, सभी पलिश्ती लोग दाऊद की खोज में गए। दाऊद ने इसके बारे में सुना। तब वह पलिश्ती लोगों से लड़ने गया। **9**पलिश्तियों ने रपाईम की घाटी में रहने वाले लोगों पर आक्रमण किया और उनकी चीजें चुराई। **10**दाऊद ने परमेश्वर से पूछा, “क्या मुझे जाना चाहिये और पलिश्ती लोगों से युद्ध करना चाहिये? क्या तू मुझे उनको परास्त करने देगा?”

यहोवा ने दाऊद को उत्तर दिया, “जाओ। मैं तुम्हें पलिश्ती लोगों को हराने दूँगा।”

11तब दाऊद और उसके लोग बालपरासीम नगर तक गए। वहाँ दाऊद और उसके लोगों ने पलिश्ती लोगों को हराया। दाऊद ने कहा, “टूटे बाँध से पानी फूट पड़ता है। उसी प्रकार, परमेश्वर मेरे शत्रुओं पर फूट पड़ा है! परमेश्वर ने यह मेरे माध्यम से किया है।” यही कारण है कि उस स्थान का नाम “बालपरासीम है।” **12**पलिश्ती लोगों ने अपनी मूर्तियों को बालपरासीम में छोड़ दिया। दाऊद ने उन मूर्तियों को जला देने का आदेश दिया।

पलिश्ती लोगों पर अन्य विजय

13पलिश्तियों ने रपाईम घाटी में रहने वाले लोगों पर फिर आक्रमण किया। **14**दाऊद ने फिर परमेश्वर से प्रार्थना की। परमेश्वर ने दाऊद की प्रार्थना का उत्तर दिया। परमेश्वर ने कहा, “दाऊद, जब तुम आक्रमण करो तो पलिश्ती लोगों के पीछे पहाड़ी पर मत जाओ। इसके बदले, उनके चारों ओर जाओ। वहाँ छिपो, जहाँ मोखा के पेड़ हैं। **15**एक प्रहरी को पेड़ की चोटी पर चढ़ने को कहो। जैसे ही वह पेड़ों की चोटी से उनकी चढाई करने की आवाज को सुनेगा, उसी समय पलिश्तियों पर आक्रमण करो। मैं (परमेश्वर) तुम्हारे सामने आऊँगा और पलिश्ती सेना को हराऊँगा!” **16**दाऊद ने वही किया जो परमेश्वर ने करने को कहा। इसलिये दाऊद और उसकी सेना ने पलिश्ती सेना को हराया। उन्होंने पलिश्ती सैनिकों को लगातार गिबोन नगर से गेजर नगर तक मारा। **17**इस प्रकार दाऊद सभी देशों में प्रसिद्ध हो गया। यहोवा ने सभी राष्ट्रों के हृदय में उसका डर बैठा दिया।

साक्षीपत्र का सन्दूक यरूशलेम में

15 दाऊद ने दाऊद नगर में अपने लिये महल बनवाया। तब उसने साक्षीपत्र के सन्दूक के लिए एक स्थान बनाया। उसने इसके लिये एक तम्बू डाला। **2**तब दाऊद ने कहा, “केवल लेवीवंशियों को साक्षीपत्र का सन्दूक ले चलने की स्वीकृति है। यहोवा ने उन्हें साक्षीपत्र का सन्दूक ले चलने और उसकी सदैव सेवा के लिये चुना है।”

3दाऊद ने इस्राएल के सभी लोगों को यरूशलेम में एक साथ मिलने के लिये बुलाया जब तक लेवीवंशी साक्षीपत्र के सन्दूक को उस स्थान पर लेकर आये जो उसने उसके लिये बनाया था। **4**दाऊद ने हारून के वंशजों और लेवीवंशियों को एक साथ बुलाया। **5**कहात परिवार समूह से एक सौ बीस व्यक्ति थे। ऊरीएल उनका प्रमुख था। **6**मरारी के परिवार समूह से दो सौ बीस लोग

थे। असायाह उनका प्रमुख था। 7गेर्शोमियों के परिवार समूह के एक सौ तीस लोग थे। योएल उनका प्रमुख था। 8एलीसापान के परिवार समूह के दो सौ लोग थे। शमायाह उनका प्रमुख था। 9हेब्रोन के परिवार समूह के अस्सी लोग थे। एलीएल उनका प्रमुख था। 10उज्जीएल के परिवार समूह के एक सौ बारह लोग थे। अम्मीनादाब उनका प्रमुख था।

याजकों और लेवीवंशियों से दाऊद बातें करता है

11तब दाऊद ने सादोक और एब्यातार याजकों से कहा कि वे उसके पास आएं। दाऊद ने ऊरीएल, असायाह, योएल, शमायाह और अम्मीनादाब लेवीवंशियों को भी अपने पास बुलाया। 12दाऊद ने उनसे कहा, "तुम लोग लेवी परिवार समूह के प्रमुख हो। तुम्हें अपने और अन्य लेवीवंशियों को पवित्र बनाना चाहिये। तब साक्षीपत्र के सन्दूक को उस स्थान पर लाओ, जिसे मैंने उसके लिये बनाया है। 13पिछली बार हम लोगों ने यहोवा परमेश्वर से नहीं पूछा कि साक्षीपत्र के सन्दूक को हम कैसे ले चलें। लेवीवंशियों, तुम इसे नहीं ले चले, यही कारण था कि यहोवा ने हमें दण्ड दिया।"

14तब याजक और लेवीवंशियों ने अपने को पवित्र किया जिससे वे इस्राएल के यहोवा परमेश्वर के सन्दूक को लेकर चल सकें। 15लेवीवंशियों ने विशेष डंडों का उपयोग, अपने कन्धों पर साक्षीपत्र के सन्दूक को ले चलने के लिये किया जैसा मूसा का आदेश था। वे सन्दूक को उस प्रकार ले चले जैसा यहोवा ने कहा था।

गायक

16दाऊद ने लेवीवंशियों को उनके गायक भाईयों को लाने के लिये कहा। गायकों को अपनी वीणा, तम्बूरा और मँजीरा लाना था तथा प्रसन्नता के गीत गाना था।

17तब लेवीवंशियों ने हेमान और उसके भाईयों आसाप और एतान को बुलाया। हेमान योएल का पुत्र था। आसाप बेरेक्याह का पुत्र था। एतान कूशायाह का पुत्र था। ये व्यक्ति मरारी परिवार समूह के थे। 18वहाँ लेवीवंशियों का दूसरा समूह भी था। वे जकर्याह, याजीएल, शमीरामोत, यहीएल, उन्नी, एलीआब, बनायाह, मासेयाह, मत्तित्याह, एलीपलेह, मिकनेयाह, ओबेदेदोम और पीएल थे। ये लोग लेवीवंश के रक्षक थे।

19गायक हेमान, आसाप और एतान काँसे का मँजीरा बजा रहे थे। 20जकर्याह, अजीएल, शमीरामोत, यहीएल, उन्नी, एलीआब, मासेयाह और बनायाह अलामोत वीणा बजा रहे थे। 21मत्तित्याह, एलीपलेह, मिकनेयाह, ओबेदेदोम, यीएल और अजज्याह शेमिनिथ तम्बूरा बजा रहे थे। यह उनका सदैव का काम था। 22लेवीवंशी प्रमुख कनन्याह गायन का प्रबन्धक था। कनन्याह को यह काम मिला था क्योंकि वह गाने में बहुत अधिक कुशल था।

23बेरेक्याह और एल्काना साक्षीपत्र के सन्दूक के रक्षकों में से दो थे। 24याजक शबन्याह, योशापात, नतनेल, अमासै, जकर्याह, बनायाह और एलीएजेर का काम साक्षीपत्र के सन्दूक के सामने चलते समय तुरही बजाना था। ओबेदेदोम और यहिय्याह साक्षीपत्र के सन्दूक के लिये अन्य रक्षक थे।

25दाऊद, इस्राएल के अग्रज (प्रमुख) और सेनापति साक्षीपत्र के सन्दूक को लेने गए। वे उसे ओबेदेदोम के घर से बाहर लाए। हर एक बहुत प्रसन्न था। 26परमेश्वर ने उन लेवीवंशियों की सहायता की जो यहोवा के साक्षीपत्र के सन्दूक को लेकर चल रहे थे। उन्होंने सात बैलों और सात मेढ़ों की बलि दी। 27सभी लेवीवंशी जो साक्षीपत्र के सन्दूक लेकर चल रहे थे, उत्तम सन के चोगे पहने थे। गायन का प्रबन्धक कनन्याह और सभी गायक उत्तम सन के चोगे पहने थे और दाऊद भी उत्तम सन का बना एपोद पहने था।

28इस प्रकार इस्राएल के सारे लोग यहोवा के साक्षीपत्र के सन्दूक को ले आए। उन्होंने उद्घोष किया, उन्होंने मेढ़े की सिंगी और तुरही बजाई और उन्होंने मँजीरे, वीणा और तम्बूरे बजाए।

29जब साक्षीपत्र का सन्दूक दाऊद नगर में पहुँचा, मीकल ने खिड़की से देखा। मीकल शाऊल की पुत्री थी। उसने राजा दाऊद को चारों ओर नाचते और बजाते देखा। उसने अपने हृदय में दाऊद के प्रति सम्मान को खो दिया उसने सोचा कि वह मूर्ख बन रहा है।

16 लेवीवंशी साक्षीपत्र का सन्दूक ले आए और उसे उस तम्बू में रखा जिसे दाऊद ने इसके लिये खड़ी कर रखी थी। तब उन्होंने परमेश्वर को होमबलि और मेलबलि चढ़ाई। 2जब दाऊद होमबलि और मेलबलि देना पूरा कर चुका तब उसने लोगों को आशीर्वाद देने के लिये यहोवा का नाम लिया। 3तब उसने हर एक इस्राएली स्त्री–पुरुष को एक–एक रोटी, खजूर और किशमिश दिया।

4तब दाऊद ने साक्षीपत्र के सन्दूक के सामने सेवा के लिये कुछ लेवीवंशियों को चुना। उन लेवीवंशियों को इस्राएलियों के यहोवा परमेश्वर के लिये उत्सवों को मनाने, आभार व्यक्त करने और स्तुति करने का काम सौंपा गया। 5आसाप, प्रथम समूह का प्रमुख था। आसाप का समूह सारंगी बजाता था। जकर्याह दूसरे समूह का प्रमुख था। अन्य लेवीवंशी ये थे: यीएल, शमीरामोत, यहीएल, मत्तित्याह, एलीआब बनायाह, ओबेदेदोम और यीएल। ये व्यक्ति वीणा और तम्बूरा बजाते थे। 6बनायाह और यहजीएल ऐसे याजक थे जो साक्षीपत्र के सन्दूक के सामने सदैव तुरही बजाते थे। 7यह वही समय था जब दाऊद ने पहली बार आसाप

और उसके भाइयों को यहोवा की स्तुति करने का
काम दिया।

दाऊद का आभार गीत

8यहोवा की स्तुति करो उसका नाम लो लोगों में उन
महान कार्यों का वर्णन करो– जिन्हें यहोवा ने किया है।
9यहोवा के गीत गाओ, यहोवा की स्तुतियाँ गाओ।
उसके सभी अद्भुत कामों का गुणगान करो।
10यहोवा के पवित्र नाम पर गर्व करो सभी लोग जो
यहोवा की सहायता पर भरोसा करते हैं, प्रसन्न हो!
11यहोवा पर और उसकी शक्ति पर भरोसा करो।
सदैव सहायता के लिये उसके पास जाओ।
12उन अद्भुत कार्यों को याद करो जो यहोवा ने किये
हैं। उसके निर्णयों को याद रखो और शक्तिपूर्ण कार्यों
को जो उसने किये।
13इस्राएल की सन्तानें यहोवा के सेवक हैं। याकूब के
वंशज, यहोवा द्वारा चुने लोग हैं।
14यहोवा हमारा परमेश्वर है, उसकी शक्ति चारों
तरफ है।
15उसकी वाचा को सदैव याद रखो, उसने अपने
आदेश– सहस्र पीढ़ियों के लिये दिये हैं।
16यह वाचा है जिसे यहोवा ने इब्राहीम के साथ किया
था। यह प्रतिज्ञा है जो यहोवा ने इसहाक के साथ की।
17यहोवा ने इसे याकूब के लोगों के लिये नियम
बनाया। यह वाचा इस्राएल के साथ है– जो सदैव बनी
रहेगी।
18यहोवा ने इस्राएल से कहा था: "मैं कनान देश तुझे
दूँगा। यह प्रतिज्ञा का प्रदेश तुम्हारा होगा।"
19परमेश्वर के लोग संख्या में थोड़े थे। वे उस देश में
अजनबी थे। 20वे एक राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र को गए। वे
एक राज्य से दूसरे राज्य को गए।
21किन्तु यहोवा ने किसी को उन्हें चोट पहुँचाने न दी।
यहवा ने राजाओं को चेतावनी दी कि वे उन्हें चोट न
पहुँचायें।
22यहोवा ने उन राजाओं से कहा, "मेरे चुने लोगों को
चोट न पहुँचाओ। मेरे नबियों को चोट न पहुँचाओ।"
23यहोवा के लिये पूरी धरती पर गुणगान करो, प्रतिदिन
तुम्हें, यहोवा द्वारा हमारी रक्षा के शुभ समाचार बताना
चाहिए।
24यहोवा के प्रताप को सभी राष्ट्रों से कहो। यहोवा के
अद्भुत कार्यों को सभी लोगों से कहो।
25यहोवा महान है, यहोवा की स्तुति होनी चाहिये।
यहोवा अन्य देवताओं से–अधिक भय योग्य है।
26क्यों? क्योंकि उन लोगों के सभी देवता मात्र मूर्तियाँ
हैं। किन्तु यहोवा ने आकाश को बनाया।
27यहोवा प्रतापी और सम्मानित है। यहोवा एक तेज़
चमकती ज्योति की तरह है।
28परिवार और लोग, यहोवा के प्रताप और शक्ति की
स्तुति करते हैं।
29यहोवा के प्रताप की स्तुति करो। उसके नाम को
सम्मान दो। यहोवा को अपनी भेंटें चढ़ाओ, यहोवा और
उसके पवित्र सौन्दर्य की उपासना करो।
30यहोवा के सामने भय से सारी धरती काँपनी चाहिये।
किन्तु उसने धरती को दृढ़ किया, अत: संसार हिलेगा
नहीं।
31धरती आकाश को आनन्द में झूमने दो। चारों ओर
लोगों को कहने दो, "यहोवा शासन करता है।"
32सागर और इसमें की सभी चीज़ों को चिल्लाने दो!
खेतों और उनमें की हर एक चीज़ को अपना आनन्द
व्यक्त करने दो।
33यहोवा के सामने वन के वृक्ष आनन्द से गायेंगे।
क्यों? क्योंकि यहोवा आ रहा है। वह संसार का न्याय
करने आ रहा है।
34अहा! यहोवा को धन्यवाद दो, वह अच्छा है। यहोवा
का प्रेम सदा बना रहता है।
35यहोवा से कहो, "हे परमेश्वर, हमारे रक्षक, हमारी
रक्षा कर। हम लोगों को एक साथ इकट्ठा करो, और
हमें अन्य राष्ट्रों से बचाओ। और तब हम तुम्हारे पवित्र
नाम की स्तुति कर सकते हैं। तब हम तेरी स्तुति अपने
गीतों से कर सकते हैं।"
36इस्राएल के यहोवा परमेश्वर की सदा स्तुति होती
रहे जैसे कि सदैव उसकी प्रशंसा होती रही है।
सभी लोगों ने कहा, "आमीन!" उन्होंने यहोवा की
स्तुति की।
37तब दाऊद ने आसाप और उसके भाईयों को वहाँ
यहोवा के साक्षीपत्र के सन्दूक के सामने छोड़ा। दाऊद
ने उन्हें उसके सामने प्रतिदिन सेवा करने के लिये
छोड़ा। 38दाऊद ने आसाप और उसके भाईयों के साथ
सेवा करने के लिये ओबेदेदोम और अन्य अड़सठ
लेवीवंशियों को छोड़ा। ओबेदेदोम और यदूतून रक्षक
थे। ओबेदेदोम यदूतून का पुत्र था।
39दाऊद ने याजक सादोक और अन्य याजकों को जो
गिबोन में उच्च स्थान पर यहोवा के तम्बू के सामने
उसके साथ सेवा करते थे, छोड़ा। 40हर सुबह–शाम
सादोक तथा अन्य याजक होमबलि की वेदी पर होमबलि
चढ़ाते थे। वे यह यहोवा के व्यवस्था में लिखे गए उन
नियमों का पालन करने के लिये करते थे जिन्हें यहोवा
ने इस्राएल को दिया था। 41हेमान और यदूतून तथा
सभी अन्य लेवीवंशी यहोवा का स्तुतिगान करने के
लिये नाम लेकर चुने गये थे क्योंकि यहोवा का प्रेम
सदैव बना रहता है!
42हेमान और यदूतून उनके साथ थे। उनका काम
तुरही और मँजीरा बजाना था। वे अन्य संगीत वाद्य
बजाने का काम भी करते थे, जब परमेश्वर की स्तुति

के गीत गाये जाते थे। यदूतून का पुत्र द्वार की रखवाली करता था।

43उत्सव मनाने के बाद, सभी लोग चले गए। हर एक व्यक्ति अपने–अपने घर चला गया और दाऊद भी अपने परिवार को आशीर्वाद देकर अपने घर गया।

परमेश्वर ने दाऊद को वचन दिया

17 दाऊद ने अपने घर चले जाने के बाद नातान नबी से कहा, "देखो, मैं देवदारू से बने घर में रह रहा हूँ, किन्तु यहोवा का साक्षीपत्र का सन्दूक तम्बू में रखा है। मैं परमेश्वर के लिये एक मन्दिर बनाना चाहता हूँ।"

2नातान ने दाऊद को उत्तर दिया, "तुम जो कुछ करना चाहते हो, कर सकते हो। परमेश्वर तुम्हारे साथ है।"

3किन्तु परमेश्वर का सन्देश उस रात नातान को मिला। **4**परमेश्वर ने कहा, "जाओ और मेरे सेवक दाऊद से यह कहो: यहोवा यह कहता है, 'दाऊद, तुम मेरे रहने के लिये गृह नहीं बनाओगे। **5–6**जब से मैं इस्राएल को मिस्र से बाहर लाया तब से अब तक, मैं गृह में नहीं रहा हूँ। मैं एक तम्बू में चारों ओर घूमता रहा हूँ। मैंने इस्राएल के लोगों का विशेष प्रमुख बनने के लिये लोगों को चुना। वे प्रमुख मेरे लोगों के लिये गड़रिये के समान थे। जिस समय मैं इस्राएल में विभिन्न स्थानों पर चारों ओर घूम रहा था, उस समय मैंने किसी प्रमुख से यह नहीं कहा: तुमने मेरे लिये देवदारू वृक्ष का गृह क्यों नहीं बनाया है?'

7"अब, तुम मेरे सेवक दाऊद से कहो: सर्वशक्तिमान यहोवा तुमसे कहता है, 'मैंने तुमको मैदानों से और भेड़ों की देखभाल करने से हटाया। मैंने तुमको अपने इस्राएली लोगों का शासक बनाया। **8**तुम जहाँ गए, मैं तुम्हारे साथ रहा। मैं तुम्हारे आगे–आगे चला और मैंने तुम्हारे शत्रुओं को मारा। अब मैं तुम्हें पृथ्वी पर सर्वाधिक प्रसिद्ध व्यक्तियों में से एक बना रहा हूँ। **9**मैं यह स्थान अपने इस्राएल के लोगों को दे रहा हूँ। वे वहाँ अपने वृक्ष लगायेंगे और वे उन वृक्षों के नीचे शान्ति के साथ बैठेंगे। वे अब आगे और परेशान नहीं किये जाएंगे। बुरे लोग उन्हें वैसे चोट नहीं पहुँचाऐंगे जैसा उन्होंने पहले पहुँचाया था। **10**वे बुरी बातें हुई, किन्तु मैंने अपने इस्राएली लोगों की रक्षा के लिये प्रमुख चुने और मैं तुम्हारे सभी शत्रुओं को भी हराऊँगा।

"'मैं तुमसे कहता हूँ कि यहोवा तुम्हारे लिए एक घराना बनाएगा।* **11**जब तुम मरोगे और अपने पूर्वजों से जा मिलोगे, तब तुम्हारे निज पुत्र को नया राजा होने दूँगा। नया राजा तुम्हारे पुत्रों में से एक होगा और मैं राज्य को शक्तिशाली बनाऊँगा। **12**तुम्हारा पुत्र मेरे लिये एक गृह बनाएगा। मैं तुम्हारे पुत्र के परिवार को सदा के लिये शासक बनाऊँगा। **13**मैं उसका पिता बनूँगा और वह मेरा पुत्र होगा। शाऊल तुम्हारे पहले राजा था और मैंने शाऊल से अपनी सहायता हटा ली किन्तु मैं तुम्हारे पुत्र से प्रेम करना कभी कम नहीं करूँगा। **14**मैं उसे सदा के लिये अपने घर और राज्य का संरक्षक बनाऊँगा। उसका शासन सदैव चलता रहेगा!'"

15नातान ने अपने इस दर्शन और परमेश्वर ने जो सभी बातें कही थीं उनके विषय में दाऊद से कहा।

दाऊद की प्रार्थना

16तब दाऊद पवित्र तम्बू में गया और यहोवा के सामने बैठा। दाऊद ने कहा, "यहोवा परमेश्वर, तूने मेरे लिए और मेरे परिवार के लिये इतना अधिक किया है और मैं नहीं समझता कि क्यों? **17**उन बातों के अतिरिक्त, तू मुझे बता कि भविष्य में मेरे परिवार पर क्या घटित होगा। तूने मेरे प्रति एक अत्यन्त महत्वपूर्ण व्यक्ति जैसा व्यवहार किया है। **18**मैं और अधिक क्या कह सकता हूँ? तूने मेरे लिये इतना अधिक किया है और मैं केवल तेरा सेवक हूँ। यह तू जानता है। **19**यहोवा, तूने यह अद्भुत कार्य मेरे लिये किया है और यह तूने किया क्योंकि तू करना चाहता था। **20**यहोवा, तेरे समान और कोई नहीं है। तेरे अतिरिक्त कोई परमेश्वर नहीं है। हम लोगों ने कभी किसी देवता को ऐसे अद्भुत कार्य करते नहीं सुना है! **21**क्या इस्राएल के समान अन्य कोई राष्ट है? नहीं! इस्राएल ही पृथ्वी पर एकमात्र राष्ट है जिसके लिये तू ने यह अद्भुत कार्य किया। तूने हमें मिस्र से बाहर निकाला और हमें स्वतन्त्र किया। तूने अपने को प्रसिद्ध किया। तू अपने लोगों के सामने आया और अन्य लोगों को हमारे लिये भूमि छोड़ने को विवश किया। **22**तूने इस्राएल को सदा के लिये अपना बनाया और यहोवा तू उसका परमेश्वर हुआ!

23"यहोवा, तूने यह प्रतिज्ञा मुझसे और मेरे परिवार से की है। अब से तू सदा के लिये इस प्रतिज्ञा को बनाये रख। वह कर जो तूने करने को कहा! **24**अपनी प्रतिज्ञा को पूरा कर। जिससे लोग तेरे नाम का सम्मान सदा के लिये कर सकें। लोग कहेंगे, 'सर्वशक्तिशाली यहोवा इस्राएल का परमेश्वर है!' मैं तेरा सेवक हूँ! कृपया मेरे परिवार को शक्तिशाली होने दे और वह तेरी सेवा सदा करता रहे।

25"मेरे परमेश्वर, तूने मुझसे (अपने सेवक) कहा, कि तू मेरे परिवार को एक राजपरिवार बनायेगा। इसीलिए मैं तेरे सामने इतना निडर हो रहा हूँ, इसीलिए मैं तुझसे ये सब चीजें करने के लिये कह रहा हूँ। **26**यहोवा, तू परमेश्वर है और परमेश्वर तूने इन अच्छी चीज़ों की

मैं ... बनाएगा इसका अर्थ कोई यथार्थ घर से सम्बन्ध नहीं रखना। इसका अर्थ है कि यहोवा दाऊद के परिवार से अनेक वर्षों तक व्यक्ति को राजा बनाता रहेगा।

प्रतिज्ञा मेरे लिए की है। 27यहोवा, तू मेरे परिवार को आशीष देने में इतना अधिक दयालु रहा है। तूने प्रतिज्ञा की, कि मेरा परिवार तेरी सेवा सदैव करता रहेगा। यहोवा तूने मेरे परिवार को आशीष दी है, अत: मेरा परिवार सदा आशीष पाएगा!"

दाऊद विभिन्न राष्ट्रों को जीत लेता है

18 बाद में दाऊद ने पलिश्ती लोगों पर आक्रमण किया। उसने उन्हें हराया। उसने गत नगर और उसके चारों ओर के नगरों को पलिश्ती लोगों से जीत लिया।

2तब दाऊद ने मोआब देश को हराया। मोआबी लोग दाऊद के सेवक बन गए। वे दाऊद के पास भेंटें लाए।
3दाऊद हदरेजेर की सेना के विरुद्ध भी लड़ा। हदरेजेर सोबा का राजा था। दाऊद उस सेना के विरुद्ध लड़ा। दाऊद लगातार हमात नगर तक उस सेना से लड़ा। दाऊद ने यह इसलिये किया कि हदरेजेर ने अपने राज्य को लगातार परात नदी तक फैलाना चाहा। 4दाऊद ने
हदरेजेर के एक हजार रथ, सात हजार सारथी और बीस हजार सैनिक लिये। दाऊद ने हदरेजेर के अधिकांश घोड़ों को अंग-भंग कर दिया जो रथ खींचते थे। किन्तु दाऊद ने सौ रथों को खींचने के लिये पर्याप्त घोड़े बचा लिये।

5दमिश्क नगर से अरामी लोग हदरेजेर की सहायता करने के लिये आए। हदरेजेर सोबा का राजा था। किन्तु दाऊद ने बाईस हजार अरामी सैनिकों को पराजित किया और मार डाला। 6तब दाऊद ने दमिश्क नगर में
किले बनवाए। अरामी लोग दाऊद के सेवक बन गए और उसके पास भेंटें लेकर आये। अत: यहोवा ने दाऊद को, जहाँ कहीं वह गया, विजय दी।

7दाऊद ने हदरेजेर के सेनापतियों से सोने की ढालें लीं और उन्हें यरूशलेम ले आया। 8दाऊद ने तिभत और
कून नगरों से अत्याधिक काँसा प्राप्त किया। वे नगर हदरेजेर के थे। बाद में, सुलैमान ने इस काँसे का उपयोग काँसे की होदे, काँसे के स्तम्भ और वे अन्य चीजें बनाने में किया जो मन्दिर के लिये काँसे से बनी थी।

9तोऊ हमात नगर का राजा था। हदरेजेर सोबा का राजा था। तोऊ ने सुना कि दाऊद ने हदरेजेर की सारी सेना को पराजित कर दिया। 10अत: तोऊ ने अपने पुत्र
हदोराम को राजा दाऊद के पास शान्ति की याचना करने और आशीर्वाद पाने के लिये भेजा। उसने यह किया क्योंकि दाऊद ने हदरेजेर के विरुद्ध युद्ध किया था और उसे हराया था। पहले हदरेजेर ने तोऊ से युद्ध किया था। हदोराम ने दाऊद को हर एक प्रकार की सोने, चाँदी और काँसे से बनी चीज़ें दीं। 11राजा दाऊद
ने उन चीज़ों को पवित्र बनाया और यहोवा को दिया। दाऊद ने ऐसा उस सारे चाँदी, सोने के साथ किया जिसे उसने एदोमी, मोआबी, अम्मोनी पलिश्ती और अमालेकी लोगों से प्राप्त कियाथा।

12सरुयाह के पुत्र अबीशै ने नमक की घाटी में अट्ठारह हजार एदोमी लोगों को मारा। 13अबीशै ने एदोम में
किले बनाए और सभी एदोमी लोग दाऊद के सेवक हो गए। दाऊद जहाँ कही भी गया, यहोवा ने उसे विजय दी।

दाऊद के महत्वपूर्ण अधिकारी

14दाऊद पूरे इस्राएल का राजा था। उसने वही किया जो सबके लिये उचित और न्यायपूर्ण था। 15सरूयाह का
पुत्र योआब, दाऊद की सेना का सेनापति था। अहीलूद के पुत्र यहोशापात ने उन कामों के विषय में लिखा जो दाऊद ने किये। 16सादोक और अबीमेलेक याजक थे।
सादोक अहीतूब का पुत्र था और अबीमेलेक एब्यातार का पुत्र था। शबशा शास्त्री था। 17बनायाह करेतियों
और पलेती* लोगों के मार्गदर्शन का उत्तरदायी था बनायाह यहोयादा का पुत्र था और दाऊद के पुत्र विशेष अधिकारी थे। वे राजा दाऊद के साथ सेवारत थे।

अम्मोनी दाऊद के लोगों को लज्जित करते हैं

19 नाहाश अम्मोनी लोगों का राजा था। नाहाश मरा, और उसका पुत्र नया राजा बना। 2तब
दाऊद ने कहा, "नाहाश मेरे प्रति दयालु था, इसलिए मैं नाहाश के पुत्र हानून के प्रति दयालु रहूँगा।" अत: दाऊद ने अपने दूतों को उसके पिता की मृत्यु पर सांत्वना देने भेजे। दाऊद के दूत हानून को सान्तवा देने अम्मोन देश को गए।

3किन्तु अम्मोनी प्रमुखों ने हानून से कहा, "मूर्ख मत बनो। दाऊद ने सच्चे भाव से तुम्हें सांत्वना देने के लिये या तुम्हारे मृत पिता को सम्मान देने के लिये नहीं भेजा है! नहीं, दाऊद ने अपने सेवकों को तुम्हारी और तुम्हारे देश की जासूसी करने को भेजा है। दाऊद वस्तुत: तुम्हारे देश को नष्ट करना चाहता है!" 4इसलिये
हानून ने दाऊद के सेवकों को बन्दी बनाया और उनकी दाढ़ी मुड़वा दी।* हानून ने कमर तक उनके वस्त्रों की छोर को कटवा दिया। तब उसने उन्हें विदा कर दिया।
5दाऊद के व्यक्ति इतने लज्जित हुए कि वे घर को नहीं जा सकते थे। कुछ लोग दाऊद के पास गए और बताया कि उसके व्यक्तियों के साथ कैसा बर्ताव हुआ। इसलिये राजा दाऊद ने अपने लोगों के पास यह सूचना भेजा: "तुम लोग यरीहो नगर में तब तक रहो जब तक फिर दाढ़ी न उग आए। तब तुम घर वापस आ सकते हो।"

करेती और पलेती ये लोग राजा के अंगरक्षक थे।

दाढ़ी मुड़वा दी इस्राएली के लिये अपनी दाढ़ी कटवाना मूसा के नियम के विरुद्ध था।

6अम्मोनी लोगों ने देखा कि उन्होंने अपने आपको
दाऊद का घृणित शत्रु बना दिया है। तब हानून और
अम्मोनी लोगों ने पचहत्तर हजार पौंड चाँदी, रथ और
सारथियों को मेसोपोटामियाँ से खरीदने में लगाया। उन्होंने
अराम में अरम्माका और सोबा नगरों से भी रथ और
सारथी प्राप्त किये। 7अम्मोनी लोगों ने बत्तीस हजार रथ
खरीदे। उन्होंने माका के राजा को और उसकी सेना
को भी आने और सहायता करने के लिये भुगतान
किया। माका का राजा और उसके लोग आए और
उन्होंने मेदबा नगर के पास अपना डेरा डाला। अम्मोनी
लोग स्वयं अपने नगरों से बाहर आए और युद्ध के लिये
तैयार हो गये।

8दाऊद ने सुना कि अम्मोनी लोग युद्ध के लिये तैयार
हो रहे हैं। इसलिये उसने योआब और इस्राएल की पूरी
सेना को अम्मोनी लोगों से युद्ध करने के लिये भेजा।
9अम्मोनी लोग बाहर निकले तथा युद्ध के लिये तैयार
हो गए। वे नगर द्वार के पास थे। जो राजा सहायता के
लिये आए थे, वे स्वयं खुले मैदान में खड़े थे।

10योआब ने देखा कि उसके विरुद्ध लड़ने वाली सेना
के दो मोर्चे थे। एक मोर्चा उसके सामने था और दूसरा
उसके पीछे था। इसलिये योआब ने इस्राएल के कुछ
सर्वोत्तम योद्धाओं को चुना। उसने उन्हें अराम की सेना
से लड़ने के लिये भेजा। 11योआब ने इस्राएल की शेष
सेना को अबीशै के सेनापतित्व में रखा। अबीशै योआब
का भाई था। वे सैनिक अम्मोनी सेना के विरुद्ध लड़ने
गये। 12योआब ने अबीशै से कहा, "यदि अरामी सेना
मेरे लिये अत्याधिक शक्तिशाली पड़े तो तुम्हें मेरी सहायता
करनी होगी। किन्तु यदि अम्मोनी सेना तुम्हारे लिये
अत्याधिक शक्तिशाली प्रामाणित होगी तो मैं तुम्हारी
सहायता करूँगा। 13हम अपने लोगों तथा अपने परमेश्वर
के नगरों के लिये युद्ध करते समय वीर और दृढ़ बनें।
यहोवा वह करे जिसे वह उचित मानता है।"

14योआब और उसके साथ की सेना ने अराम की
सेना पर आक्रमण किया। अराम की सेना योआब और
उसकी सेना के सामने से भाग खड़ी हुई। 15अम्मोनी
सेना ने देखा कि अराम की सेना भाग रही है अत: वे
भी भाग खड़े हुए। वे अबीशै और उसकी सेना के
सामने से भाग खड़े हुए। अम्मोनी अपने नगरों को चले
गये, और योआब यरूशलेम को लौट गया।

16अराम के प्रमुखों ने देखा कि इस्राएल ने उन्हें
पराजित कर दिया। इसलिये उन्होंने परात नदी के पूर्व
रहने वाले अरामी लोगों से सहायता के लिए दूत भेजे।
शोपक हदरेजेर की अराम की सेना का सेनापति था।
शोपक ने उन अन्य अरामी सैनिकों का भी संचालन
किया।

17दाऊद ने सुना कि अराम के लोग युद्ध के लिये
इकट्ठा हो रहे हैं। इसलिये दाऊद ने इस्राएल के सभी
सैनिकों को इकट्ठा किया। दाऊद उन्हें यरदन नदी के
पार ले गया। वे अरामी लोगों के ठीक आमने–सामने
आ गए। दाऊद ने अपनी सेना को आक्रमण के लिये
तैयार किया और अरामियों पर आक्रमण कर दिया।
18अरामी इस्राएलियों के सामने से भाग खड़े हुए। दाऊद
और उसकी सेना ने सात हजार सारथी और चालीस
हजार अरामी सैनिकों को मार डाला। दाऊद और
उसकी सेना ने अरामी सेना के सेनापति शोपक को भी
मार डाला।

19जब हदरेजेर के अधिकारियों ने देखा कि इस्राएल
ने उनको हरा दिया तो उन्होंने दाऊद से सन्धि कर ली।
वे दाऊद के सेवक बन गए। इस प्रकार अरामियों ने
अम्मोनी लोगों को फिर सहायता करने से इन्कार कर
दिया।

योआब अम्मोनियों को नष्ट करता है

20 बसन्त में, योआब इस्राएल की सेना को युद्ध
के लिये ले गया। यह वही समय था जब राजा
युद्ध के लिये यात्रा करते थे, किन्तु दाऊद यरूशलेम में
रहा। इस्राएल की सेना अम्मोन देश को गई थी। उसने
उसे नष्ट कर दिया। तब वे रब्बा नगर को गये। सेना ने
लोगों को अन्दर आने और बाहर जाने से रोकने के
लिये नगर के चारों ओर डेरा डाला। योआब और
उसकी सेना ने रब्बा नगर के विरुद्ध तब तक युद्ध
किया जब तक उसे नष्ट नहीं कर डाला।

2दाऊद ने उनके राजा* का मुकुट उतार लिया। वह
सोने का मुकुट तोल में लगभग पचहत्तर पौंड था। मुकुट
में बहुमूल्य रत्न जड़े थे। मुकुट दाऊद के सिर पर रखा
गया। तब दाऊद ने रब्बा नगर से बहुत सी मूल्यवान
वस्तुएँ प्राप्त कीं। 3दाऊद रब्बा के लोगों को साथ लाया
और उन्हें आरों, लोहे की गैंती और कुल्हाड़ियों से
काम करने को विवश किया। दाऊद ने अम्मोनी लोगों
के सभी नगरों के साथ यही बर्ताव किया। तब दाऊद
और सारी सेना यरूशलेम को वापस लौट गई।

पलिश्ती के दैत्य मारे जाते हैं

4बाद में इस्राएल के लोगों का युद्ध गेजेर नगर में
पलिश्तियों के साथ हुआ। उस समय हूशा के सिब्बकै
ने सिप्पै को मार डाला। सिप्पै दैत्यों के पुत्रों में से एक
था। इस प्रकार पलिश्ती के लोग इस्राएलियों के दास के
समान हो गए।

5अन्य अवसर पर, इस्राएल के लोगों का युद्ध फिर
पलिश्तियों के विरुद्ध हुआ। याईर के पुत्र एल्हानान ने
लहमी को मार डाला। लहमी गोल्यत का भाई था।
गोल्यत गत नगर का था। लहमी का भाला बहुत लम्बा
और भारी था। यह करघे के लम्बे हत्थे की तरह था।

उनके राजा या "मिल्काम" अम्मोनी लोगों का परमेश्वर।

6बाद में, इस्राएलियों ने गत नगर के पास पलिश्तियों के साथ दूसरा युद्ध किया। इस नगर में एक बहुत लम्बा व्यक्ति था। उसके हाथ और पैर की चौबीस उँगलियाँ थीं। उस व्यक्ति के हर हाथ में छ: उँगलियाँ और हर पैर की भी छ: उँगलियाँ थीं। वह दैत्य का पुत्र भी था। **7**इसलिये जब उसने इस्राएल का मज़ाक उड़ाया तो योनातान ने उसे मार डाला। योनातान शिमा का पुत्र था। शिमा दाऊद का भाई था।

8वे पलिश्ती लोग गत नगर के दैत्यों के पुत्र थे। दाऊद और उसके सेवकों ने उन दैत्यों को मार डाला।

इस्राएलियों को गिनकर दाऊद पाप करता है

21 शैतान इस्राएल के लोगों के विरुद्ध था। उसने दाऊद को इस्राएल के लोगों को गिनने का प्रोत्साहन दिया। **2**इसलिये दाऊद ने योआब और लोगों के प्रमुखों से कहा, "जाओ और इस्राएल के सभी लोगों की गणना करो। बर्शेबा नगर से लेकर लगातार दान नगर तक देश के हर व्यक्ति को गिनो। तब मुझे बताओ, इससे मैं जान सकूँगा कि यहाँ कितने लोग हैं।"

3किन्तु योआब ने उत्तर दिया, "यहोवा अपने राष्ट को सौ गुना विशाल बनाए। महामहिम इस्राएल के सभी लोग तेरे सेवक हैं। मेरे स्वामी यहोवा और राजा, आप यह कार्य क्यों करना चाहते हैं? आप इस्राएल के सभी लोगों को पाप करने का अपराधी बनाएंगे!"

4किन्तु राजा दाऊद हठ पकड़े था। योआब को वह करना पड़ा जो राजा ने कहा। इसलिये योआब गया और पूरे इस्राएल देश में गणना करता हुआ घूमता रहा। तब योआब यरूशलेम लौटा **5**और दाऊद को बताया कि कितने आदमी थे। इस्राएल में ग्यारह लाख पुरुष थे और तलवार का उपयोग कर सकते थे और तलवार का उपयोग करने वाले चार लाख सत्तर हजार पुरुष यहूदा में थे। **6**योआब ने लेवी और बिन्यामीन के परिवार समूह की गणना नहीं की। योआब ने उन परिवार समूहों की गणना नहीं की क्योंकि वह राजा दाऊद के आदेशों को पसन्द नहीं करता था। **7**परमेश्वर की दृष्टि में दाऊद ने यह बुरा काम किया था इसलिये परमेश्वर ने इस्राएल को दण्ड दिया।

परमेश्वर इस्राएल को दण्ड देता है

8तब दाऊद ने परमेश्वर से कहा, "मैंने एक बहुत मूर्खतापूर्ण काम किया है। मैंने इस्राएल के लोगों की गणना करके बुरा पाप किया है। अब, मैं प्रार्थना करता हूँ कि तू इस सेवक के पापों को क्षमा कर दे।"

9-10गाद दाऊद का दृष्टा था। यहोवा ने गाद से कहा, "जाओ और दाऊद से कहो: 'यहोवा जो कहता है वह यह है: मैं तुमको तीन विकल्प दे रहा हूँ। तुम्हें उसमें से एक चुनना है और तब मैं तुम्हें उस प्रकार दण्डित करूँगा जिसे तुम चुन लोगे।'"

11-12तब गाद दाऊद के पास गया। गाद ने दाऊद से कहा, "यहोवा कहता है, 'दाऊद, जो दण्ड चाहते हो उसे चुनो: पर्याप्त अन्न के बिना तीन वर्ष या तुम्हारा पीछा करने वाले तलवार का उपयोग करते हुए शत्रुओं से तीन महीने तक भागना या यहोवा से तीन दिन का दण्ड। पूरे देश में भंयकर महामारी फैलेगी और यहोवा का दूत लोगों को नष्ट करता हुआ पूरे देश में जाएगा।' परमेश्वर ने मुझे भेजा है। अब, तुम्हें निर्णय करना है कि उसको कौन सा उत्तर दूँ।"

13दाऊद ने गाद से कहा, "मैं विपत्ति में हूँ! मैं नहीं चाहता कि कोई व्यक्ति मेरे दण्ड का निश्चय करे। यहोवा बहुत दयालु है, अत: यहोवा को ही निर्णय करने दो कि मुझे कैसे दण्ड दे।"

14अत: यहोवा ने इस्राएल में भयंकर महामारी भेजी, और सत्तर हजार लोग मर गए। **15**परमेश्वर ने एक स्वर्गदूत को यरूशलेम को नष्ट करने के लिये भेजा। किन्तु जब स्वर्गदूत ने यरूशलेम को नष्ट करना आरम्भ किया तो यहोवा ने देखा और उसे दु:ख हुआ। इसलिये यहोवा ने इस्राएल को नष्ट न करने का निर्णय किया। यहोवा ने उस दूत से, जो नष्ट कर रहा था कहा, "रूक जाओ! यही पर्याप्त है!" यहोवा का दूत उस समय यबूसी ओर्नान की खलिहान के पास खड़ा था।

16दाऊद ने नज़र उठाई और यहोवा के दूत को आकाश में देखा। स्वर्गदूत ने यरूशलेम पर अपनी तलवार खींच रखी थी। तब दाऊद और अग्रजों (प्रमुखों) ने अपने सिर को धरती पर टेक कर प्रणाम किया। दाऊद और अग्रज (प्रमुख) अपने दु:ख को प्रकट करने के लिये विशेष वस्त्र पहने थे। **17**दाऊद ने परमेश्वर से कहा, "वह मैं हूँ जिसने पाप किया है! मैंने लोगों की गणना के लिये आदेश दिया था! मैं गलती पर था! इस्राएल के लोगों ने कुछ भी गलत नहीं किया। यहोवा मेरे परमेश्वर, मुझे और मेरे परिवार को दण्ड दे किन्तु उस भयंकर महामारी को रोक दे जो तेरे लोगों को मार रही है!"

18तब यहोवा के दूत ने गाद से बात की। उसने कहा, "दाऊद से कहो कि वह यहोवा की उपासना के लिये एक वेदी बनाए। दाऊद को इसे यबूसी ओर्नान की खलिहान के पास बनाना चाहिये।" **19**गाद ने ये बातें दाऊद को बताई और दाऊद ओर्नान के खलिहान के पास गया।

20ओर्नान गेहूँ दांय रहा था।* ओर्नान मुड़ा और उसने स्वर्गदूत को देखा। ओर्नान के चारों पुत्र छिपने के

दांय ... था अन्न को भूसे से अलग करने के लिये उसे पीटना या कुचलना।

लिये भाग गये। 21दाऊद ओर्नान के पास गया। ओर्नान ने खलिहान छोड़ी। वह दाऊद तक पहुँचा और उसके सामने अपना माथा ज़मीन पर टेक कर प्रणाम किया।

22दाऊद ने ओर्नान से कहा, "तुम अपना खलिहान मुझे बेच दो। मैं तुमको पूरी कीमत दूँगा। तब मैं यहोवा की उपासना के लिये एक वेदी बनाने के लिये इसका उपयोग कर सकता हूँ। तब भंयकर महामारी रुक जायेगी।"

23ओर्नान ने दाऊद से कहा, "इस खलिहान को ले लें! आप मेरे प्रभु और राजा हैं। आप जो चाहें, करें। ध्यान रखें, मैं भी होमबलि के लिये पशु दूँगा। मैं आपको लकड़ी के पर्दे वाले तख्ते दूँगा जिसे आप वेदी पर आग के लिये जला सकते हैं और मैं अन्नबलि के लिये गेहूँ दूँगा। मैं यह सब आपको दूँगा!"

24किन्तु राजा दाऊद ने ओर्नान को उत्तर दिया, "नहीं, मैं तुम्हें पूरी कीमत दूँगा। मैं कोई तुम्हारी वह चीज़ नहीं लूँगा जिसे मैं यहोवा को दूँगा। मैं वह कोई भेंट नहीं चढ़ाऊँगा जिसका मुझे कोई मूल्य न देना पड़े।"

25इसलिये दाऊद ने उस स्थान के लिए ओर्नान को पन्द्रह पौंड सोना दिया। 26दाऊद ने वहाँ यहोवा की उपासना के लिए एक वेदी बनाई। दाऊद ने होमबलि और मेलबलि चढ़ाई। दाऊद ने यहोवा से प्रार्थना की। यहोवा ने स्वर्ग से आग भेजकर दाऊद को उत्तर दिया। आग होमबलि की वेदी पर उतरी। 27तब यहोवा ने स्वर्गदूत को आदेश दिया कि वह अपनी तलवार को वापस म्यान में रख ले।

28दाऊद ने देखा कि यहोवा ने उसे ओर्नान की खलिहान पर उत्तर दे दिया है, अत: दाऊद ने यहोवा को बलि भेंट की। 29(पवित्र तम्बू और होमबलि की वेदी उच्च स्थान पर गिबोन नगर में थी। मूसा ने पवित्र तम्बू को तब बनाया था जब इस्राएल के लोग मरुभूमि में थे। 30दाऊद पवित्र तम्बू में परमेश्वर से बातें करने नहीं जा सकता था, क्योंकि वह भयभीत था। दाऊद यहोवा के दूत और उसकी तलवार से भयभीत था।)

22 दाऊद ने कहा, "यहोवा परमेश्वर का मन्दिर और इस्राएल के लोगों के लिये भेंटों को जलाने की वेदी यहाँ बनेगी।"

दाऊद मन्दिर के लिये योजना बनाता है

2दाऊद ने आदेश दिया कि इस्राएल में रहने वाले सभी विदेशी एक साथ इकट्ठे हों। विदेशियों के उस समूह में से दाऊद ने संगतराशों को चुना। उनका काम परमेश्वर के मन्दिर के लिये पत्थरों को काट कर तैयार करना था। 3दाऊद ने द्वार के पल्लों के लिये कीलें तथा चूलें बनाने के लिये लोहा प्राप्त किया। दाऊद ने उतना काँसा भी प्राप्त किया जो तौला न जा सके 4और दाऊद ने इतने अधिक देवदारु के लट्ठे इकट्ठे किये जो गिने न जा सकें। सीदोन और सोर के लोग बहुत से देवदारु के लट्ठे लाए।

5दाऊद ने कहा, "हमें यहोवा के लिये एक विशाल मन्दिर बनाना चाहिए। किन्तु मेरा पुत्र सुलैमान बालक है और वह उन सब चीज़ों को नहीं सीख सका है जो उसे जानना चाहिये। यहोवा का मन्दिर बहुत विशाल होना चाहिये। इसे अपनी विशालता और सुन्दरता के लिये सभी राष्ट्रों में प्रसिद्ध होना चाहिये। यही कारण है कि मैं यहोवा का मन्दिर बनाने की योजना बनाऊँगा।" इसलिये दाऊद ने मरने से पहले मन्दिर बनाने के लिये बहुत सी योजनायें बनाई।

6तब दाऊद ने अपने पुत्र सुलैमान को बुलाया। दाऊद ने सुलैमान से इस्राएल के यहोवा परमेश्वर के लिये मन्दिर बनाने को कहा। 7दाऊद ने सुलैमान से कहा, "मेरे पुत्र, मैं अपने परमेश्वर यहोवा के नाम के लिये एक मन्दिर बनाना चाहता था। 8किन्तु यहोवा ने मुझसे कहा, 'दाऊद तुमने बहुत से युद्ध किये हैं और बहुत से लोगों को मारा है इसलिये तुम मेरे नाम के लिये मन्दिर नहीं बना सकते 9किन्तु तुम्हारा एक पुत्र है जो शान्ति प्रिय है। मैं तुम्हारे पुत्र को शान्ति प्रदान करूँगा। उसके चारों ओर के शत्रु उसे परेशान नहीं करेंगे। उसका नाम सुलैमान है और मैं इस्राएल को उस समय सुख शान्ति दूँगा जिस समय सुलैमान राजा रहेगा। 10सुलैमान मेरे नाम का एक मन्दिर बनायेगा। सुलैमान मेरा पुत्र और मैं उसका पिता रहूँगा और मैं सुलैमान के राज्य को शक्तिशाली बनाऊँगा और उसके परिवार का कोई सदस्य सदा इस्राएल पर राज्य करेगा।'"

11दाऊद ने यह भी कहा, "पुत्र, अब यहोवा तुम्हारे साथ रहे। तुम सफल बनो और जैसा यहोवा ने कहा है, अपने यहोवा परमेश्वर का मन्दिर बनाओ। 12यहोवा तुम्हें इस्राएल का राजा बनाएगा। यहोवा तुम्हें बुद्धि और समझ दे जिससे तुम लोगों का मार्गदर्शन कर सको और अपने यहोवा परमेश्वर की व्यवस्था का पालन कर सको 13और तुम्हें सफलता तब मिलेगी जब तुम उन नियमों और व्यवस्था के पालन में सावधान रहोगे जो यहोवा ने मूसा को इस्राएल के लिये दी थी। तुम शक्तिशाली और वीर बनो। डरो नहीं।

14"सुलैमान, मैंने यहोवा के मन्दिर की योजना बनाने में बड़ा परिश्रम किया है। मैंने तीन हजार सात सौ पचास टन सोना दिया है और मैंने लगभग सैंतीस हजार पाँच सौ टन चाँदी दी है। मैंने काँसा और लोहा इतना अधिक दिया है कि वह तौला नहीं जा सकता और मैंने लकड़ी एवं पत्थर दिये हैं। सुलैमान, तुम उसे और अधिक कर सकते हो। 15तुम्हारे पास बहुत से संगतराश और बढ़ई हैं। तुम्हारे पास हर एक प्रकार के काम करने वाले कुशल व्यक्ति हैं। 16वे सोना, चाँदी, काँसा, और लोहे का काम करने में कुशल हैं। तुम्हारे पास इतने अधिक

कुशल व्यक्ति हैं कि वे गिने नहीं जा सकते। अब काम आरम्भ करो और यहोवा तुम्हारे साथ है।"

17तब दाऊद ने इस्राएल के सभी प्रमुखों को अपने पुत्र सुलैमान की सहायता करने का आदेश दिया। **18**दाऊद ने उन प्रमुखों से कहा, "यहोवा तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे साथ है। उसने तुम्हें शान्ति का समय दिया है। यहोवा ने हम लोगों के चारों ओर रहने वाले लोगों को पराजित करने में सहायता की है। अब यहोवा और उसके लोगों ने इस भूमि पर पूरा अधिकार किया है। **19**अब तुम अपने हृदय और आत्मा को अपने यहोवा परमेश्वर को समर्पित कर दो और वह जो कहे, करो। यहोवा परमेश्वर का पवित्र स्थान बनाओ। यहोवा के नाम के लिये मन्दिर बनाओ। तब साक्षीपत्र का सन्दूक तथा अन्य सभी पवित्र चीज़ें मन्दिर में लाओ।"

मन्दिर में लेवीवंशियों द्वारा सेवा की योजना

23 दाऊद बूढ़ा हो गया, इसलिये उसने अपने पुत्र सुलैमान को इस्राएल का नया राजा बनाया। **2**दाऊद ने इस्राएल के सभी प्रमुखों को इकट्ठा किया। उसने याजकों और लेवीवंशियों को भी इकट्ठा किया। **3**दाऊद ने तीस वर्ष और उससे ऊपर की उम्र के लेवीवंशियों को गिना। सब मिलाकर अड़तीस हजार लेवीवंशी थे। **4**दाऊद ने कहा, "चौबीस हजार लेवीवंशी यहोवा के मन्दिर के निर्माण कार्य की देखभाल करेंगे। छ: हजार लेवीवंशी सिपाही और न्यायाधीश होंगे। **5**चार हजार लेवीवंशी द्वारपाल होंगे और चार हजार लेवीवंशी संगीतज्ञ होंगे। मैंने उनके लिये विशेष वाद्य बनाए हैं। वे उन वाद्यों का उपयोग यहोवा की स्तुति के लिए करेंगे।"

6दाऊद ने लेवीवंशियों को तीन वर्गों में बाँट दिया। वे लेवी के तीन पुत्रों गेर्शोन, कहात और मरारी के परिवार समूह थे।

गेर्शोन के परिवार समूह

7गेर्शोन के परिवार समूह से लादान और शिमी थे। **8**लादान के तीन पुत्र थे। उसका सबसे बड़ा पुत्र यहीएल था। उसके अन्य पुत्र जेताम और योएल थे। **9**शिमी के पुत्र शलोमीत, हजीएल और हारान थे। ये तीनों पुत्र लादान के परिवारों के प्रमुख थे।

10शिमी के चार पुत्र थे। वे यहत, जीना, यूश और बरीआ थे। **11**यहत सबसे बड़ा और जीजा दूसरा पुत्र था। किन्तु यूश और बरीआ के बहुत से पुत्र नहीं थे। इसलिए यूश और बरीआ एक परिवार के रूप में गिने जाते थे।

कहात का परिवार समूह

12कहात के चार पुत्र थे। वे अम्राम, यिसहार, हेब्रोन और उज्जीएल थे। **13**अम्राम के पुत्र हारून और मूसा थे। हारून अति विशेष होने के लिये चुना गया था। हारून और उसके वंशज सदा–सदा के लिये विशेष होने को चुने गए थे। वे यहोवा की सेवा के लिये पवित्र चीज़े बनाने के लिये चुने गए थे। हारून और उसके वंशज यहोवा के सामने सुगन्धि जलाने के लिये चुने गए थे। वे यहोवा की सेवा याजक के रूप में करने के लिये चुने गए थे। वे यहोवा के नाम का उपयोग करने और लोगों को आशीर्वाद देने के लिये सदा के लिये चुने गए थे।

14मूसा परमेश्वर का व्यक्ति था। मूसा के पुत्र, लेवी के परिवार समूह के भाग थे। **15**मूसा के पुत्र गेर्शोम और एलीएजेर थे। **16**गेर्शोम का बड़ा पुत्र शबूएल था। **17**एलीएजेर का बड़ा पुत्र रहब्याह था। एलीएजेर के और कोई पुत्र नहीं थे। किन्तु रहब्याह के बहुत से पुत्र थे।

18यिसहार का सबसे बड़ा पुत्र शलोमीत था।

19हेब्रोन का सबसे बड़ा पुत्र यरीय्याह था। हेब्रोन का दूसरा पुत्र अमर्याह था। यहजीएल तीसरा पुत्र था और यकमाम चौथा पुत्र था।

20उज्जीएल का सबसे बड़ा पुत्र मीका था और यिशिशय्याह उसका दूसरा पुत्र था।

मरारी का परिवार समूह

21मरारी के पुत्र महली और मूशी थे। महली के पुत्र एलीआज़र और कीश थे। **22**एलीआज़र बिना पुत्रों के मरा। उसकी केवल पुत्रियाँ थीं। एलीआज़र की पुत्रियों ने अपने सम्बन्धियों से विवाह किया। उनके सम्बन्धी कीश के पुत्र थे। **23**मूशी के पुत्र महली, एदेर और यरेमोत थे। सब मिला कर तीन पुत्र थे।

लेवीवंशियों के काम

24लेवी के वंशज ये थे। वे अपने परिवार के अनुसार सूची में अंकित थे। वे परिवारों के प्रमुख थे। हर एक व्यक्ति का नाम सूची में अंकित था। जो सूची में अंकित थे, वे बीस वर्ष के या उससे ऊपर के थे। वे यहोवा के मन्दिर में सेवा करते थे।

25दाऊद ने कहा था, "इस्राएल के यहोवा परमेश्वर ने अपने लोगों को शान्ति दी है। यहोवा यरूशलेम में सदैव रहने के लिये आ गया है। **26**इसलिये लेवीवंशियों को पवित्र तम्बू या इसकी सेवा में काम आने वाली किसी चीज़ को भविष्य में ढोने की आवश्यकता नहीं है।"

27दाऊद के अन्तिम निर्देश इस्राएल के लोगों के लिये, लेवी के परिवार समूह के वंशजों को गिनना था। उन्होंने लेवीवंशियों के बीस वर्ष और उससे ऊपर के व्यक्तियों को गिना।

28लेवीवंशियों का काम हारून के वंशजों को यहोवा के मन्दिर में सेवा कार्य करने में सहायता करना था। लेवीवंशी मन्दिर के आँगन और बगल के कमरों की

भी देखभाल करते थे। उनका काम सभी पवित्र चीज़ों
को शुद्ध करने का था। उनका काम यह भी था कि
परमेश्वर के मन्दिर में सेवा करें। **29**मन्दिर में विशेष
रोटी को मेज पर रखने का उत्तरदायित्व उनका ही था।
वे आटा, अन्नबलि और अखमीरी रोटी के लिये भी
उत्तरदायी थे। वे पकाने की कढ़ाईयों और मिश्रित भेंटों
के लिए भी उत्तरदायी थे। वे सारा नाप तौल का काम
करते थे। **30**लेवीवंशी हर एक प्रात: खड़े होते थे और
यहोवा का धन्यवाद और स्तुति करते थे। वे इसे हर
सन्ध्या को भी करते थे। **31**लेवीवंशी यहोवा को सभी
होमबलियाँ विश्राम के विशेष दिनों, नवचन्द्र उत्सवों
और सभी अन्य विशेष पर्व के दिनों पर तैयार करते
थे। वे यहोवा के सामने प्रतिदिन सेवा करते थे। कितने
लेवीवंशी हर बार सेवा करेंगे इसके लिये विशेष नियम
थे। **32**अत: लेवीवंशी वे सब काम करते थे जिनकी
आशा उनसे की जाती थी। वे पवित्र तम्बू की देखभाल
करते थे। वे पवित्र स्थान की देखभाल करते थे और वे
अपने सम्बन्धियों हारून के वंशज याजकों को सहायता
देते थे। लेवीवंशी यहोवा के मन्दिर में सेवा करके
याजकों की सेवा करते थे।

याजकों के समूह

24 हारून के पुत्रों के ये समूह थे: हारून के पुत्र
नादाब, अबीहू, एलीआजर और ईतामार थे।
2किन्तु नादाब और अबीहू अपने पिता की मृत्यु के
पहले ही मर गये और नादाब और अबीहू के कोई पुत्र
नहीं था इसलिये एलीआजर और ईतामार ने याजक के
रूप में कार्य किया। **3**दाऊद ने एलीआजर और ईतामार
के परिवार समूह को दो भिन्न समूहों में बाँटा। दाऊद ने
यह इसलिये किया कि ये समूह उनको दिये गए कर्तव्यों
को पूरा कर सकें। दाऊद ने यह सादोक और अहीमेलेक
की सहायता से किया। सादोक एलीआज़र का वंशज था
और अहीमेलेक ईतामार का वंशज था। **4**एलीआज़र के
परिवार समूह के प्रमुख ईतामार के परिवार समूह के
प्रमुखों से अधिक थे। एलीआजर के परिवार समूह के
सोलह प्रमुख थे और ईतामार के परिवार समूह से आठ
प्रमुख थे। **5**हर एक परिवार से पुरुष चुने गए थे। वे गोट
डालकर चुने गए थे। कुछ व्यक्ति पवित्र स्थान के
अधिकारी चुने गए थे और अन्य व्यक्ति याजक के रूप
में सेवा के लिये चुने गए थे। ये सभी व्यक्ति एलीआजर
और ईतामार के परिवार से चुने गए थे।
6शमायाह सचिव था। वह नतनेल का पुत्र था। शमायाह
लेवी परिवार समूह से था। शमायाह ने उन वंशजों के
नाम लिखे। उसने उन नामों को राजा दाऊद और इन
प्रमुखों के सामने लिखा। याजक सादोक, अहीमेलेक
तथा याजक और लेवीवंशियों के परिवारों के प्रमुख।
अहीमेलेक एब्यातार का पुत्र था। हर एक बार वे गोट
डालकर एक व्यक्ति चुनते थे और शमायाह उस व्यक्ति
का नाम लिख लेता था। इस प्रकार उन्होंने एलीआजर
और ईतामार के परिवारों में काम को बाँटा।

7 पहला समूह यहोयारीब का था।
दूसरा समूह यदायाह का था।
8 तीसरा समूह हारीम का था।
चौथा समूह सोरीम का था।
9 पाँचवाँ समूह मल्किय्याह का था।
छठा समूह मिय्यामीन का था।
10 सातवाँ समूह हक्कोस का था।
आठवाँ समूह अबिय्याह का था।
11 नवाँ समूह येशू का था।
दसवाँ समूह शकन्याह का था।
12 ग्यारहवाँ समूह एल्याशीब का था।
बारहवाँ समूह याकीम का था।
13 तेरहवाँ समूह हुप्पा का था।
चौदहवाँ समूह येसेबाब का था।
14 पन्द्रहवाँ समूह बिल्गा का था।
सोलहवाँ समूह इम्मेर का था।
15 सत्रहवाँ समूह हेजीर का था।
अट्ठारहवाँ समूह हप्पित्सेस का था।
16 उन्नीसवाँ समूह पतह्याह का था।
बीसवाँ समूह यहेजकेल का था।
17 इक्कीसवाँ समूह याकीन का था।
बाईसवाँ समूह गामूल का था।
18 तेईसवाँ समूह दलायाह का था।
चौबीसवाँ समूह माज्याह का था।

19यहोवा के मन्दिर में सेवा करने के लिये ये समूह
चुने गये थे। वे मन्दिर में सेवा के लिये हारून के नियमों
को मानते थे। इस्राएल के यहोवा परमेश्वर ने इन
नियमों को हारून को दिया था।

अन्य लेवीवंशी

20ये नाम शेष लेवी के वंशजों के हैं:

अम्राम के वंशजों से शूबाएल।
शूबाएल के वंशजों से: येहदयाह।
21 रहब्याह से: यिशिशय्याह (यिशिशय्याह सबसे
बड़ा पुत्र था।)
22 इसहारी परिवार समूह से: शलोमोत।
शलोमोत के परिवार से: यहत।
23 हेब्रोन का सबसे बड़ा पुत्र यरिय्याह था।
अमर्याह हेब्रोन का दूसरा पुत्र था।
यहजीएल तीसरा पुत्र था,
और यकमाम चौथा पुत्र

24 उज्जीएल का पुत्र मीका था।
मीका का पुत्र शामीर था।
25 यिशिश्याह मीका का भाई था।
यिशिश्याह का पुत्र जकर्याह था।
26 मरारी के वंशज महली, मूशी
और उसका पुत्र याजिय्याह थे।
27 मरारी के पुत्र याजिय्याह के पुत्र शोहम
और जक्कूर नाम के थे।
28 महली का पुत्र एलीआजर था
किन्तु एलीआजर का कोई पुत्र न था।
29 कीश का पुत्र यरह्मेल था।
30 मूशी के पुत्र महली, एदेर और यरीमोत थे।

वे लेवीवंश परिवारों के प्रमुख हैं। वे अपने परिवारों
की सूची में हैं। 31वे विशेष कामों के लिये चुने गए थे।
वे अपने सम्बन्धी याजकों की तरह गोट डालते थे।
याजक हारून के वंशज थे। उन्होंने राजा दाऊद, सादोक,
अहीमेलेक और याजकों तथा लेवी के परिवारों के
प्रमुखों के सामने गोटें डालीं। जब उनके काम चुने गये
पुराने और नये परिवारों के एक सा व्यवहार हुआ।

संगीत समूह

25 दाऊद और सेनापतियों ने आसाप के पुत्रों को
विशेष सेवा के लिये अलग किया। आसाप के
पुत्र हेमान और यदूतून थे। उनका विशेष काम परमेश्वर
के सन्देश की भविष्यवाणी सारंगी, वीणा, मंजीरे का
उपयोग करके करना था। यहाँ उन पुरुषों की सूची है
जिन्होंने इस प्रकार सेवा की।
2आसाप के परिवार से: जक्कूर, योसेप, नतन्याह
और अशरेला थे। राजा दाऊद ने आसाप को भविष्यवाणी
के लिये चुना और आसाप ने अपने पुत्रों का नेतृत्व
किया।
3यदूतून परिवार से: गदल्याह, सरी, यशायाह, शिमी,
हसब्याह और मत्तित्याह। ये छ: थे। यदूतून ने अपने पुत्रों
का नेतृत्व किया। यदूतून ने सारंगी का उपयोग
भविष्यवाणी करने और यहोवा को धन्यवाद देने और
उसकी स्तुति के लिये किया।
4हेमान के पुत्र जो सेवा करते थे बुक्किय्याह, मत्तन्याह,
लज्जीएल, शबूएल, और यरीमोत, हनन्याह, हनानी,
एलीआता, गिद्दलती और रोममतीएजेर, योशबकाशा,
मल्लोती, होतीर और महजीओत थे। 5ये सभी व्यक्ति
हेमान के पुत्र थे। हेमान दाऊद का दृष्टा था। परमेश्वर
ने हेमान को शक्तिशाली बनाने का वचन दिया। इसलिए
हेमान के कई पुत्र थे। परमेश्वर ने हेमान को चौदह
पुत्र और तीन पुत्रियाँ दीं। 6हेमान ने अपने सभी पुत्रों का
यहोवा के मन्दिर में गाने में नेतृत्व किया। उन पुत्रों ने
मन्जीरे, वीणा और तम्बूरे का उपयोग किया। उनका
परमेश्वर के मन्दिर में सेवा करने का वही तरीका
था। राजा दाऊद ने उन व्यक्तियों को चुना था। 7वे
व्यक्ति और लेवी के परिवार समूह के उनके सम्बन्धी
गायन में प्रशिक्षित थे। दो सौ अट्ठासी व्यक्तियों ने
यहोवा की प्रशंसा के गीत गाना सीखा। 8हर एक व्यक्ति
जिस भिन्न कार्य को करेगा, उसके चुनाव के लिए वे
गोट डालते थे। हर एक व्यक्ति के साथ समान व्यवहार
होता था। बूढ़े और जवान के साथ समान व्यवहार था
और गुरु के साथ वही व्यवहार था जो शिष्य के साथ।
9पहले, आसाप (यूसुफ) के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए थे।
दूसरे, गदल्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह
व्यक्ति चुने गए।
10तीसरे, जक्कूर के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह
व्यक्ति चुने गए।
11चौथे, यिस्री के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह
व्यक्ति चुने गए।
12पाँचवें, नतन्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
13छठे, बुक्किय्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
14सातवें, यसरेला के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह
व्यक्ति चुने गए।
15आठवें, यशायाह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
16नवें, मत्तन्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह
व्यक्ति चुने गए।
17दसवें, शिमी के पुत्रों और सम्बन्धियों में से बारह
व्यक्ति चुने गए।
18ग्यारहवें, अजरेल के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
19बारहवें, हशब्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
20तेरहवें, शूबाएल के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
21चौदहवें, मत्तिय्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
22पन्द्रहवें, यरेमोत के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
23सोलहवें, हनन्याह के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
24सत्रहवें, योशबकाशा के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
25अट्ठारहवें, हनानी के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
26उन्नीसवें, मल्लोती के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।

27बीसवें, इलिय्याता के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
28इक्कीसवें, होतीर के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
29बाईसवें, गिद्दलती के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
30तेईसवें, महजीओत के पुत्रों और सम्बन्धियों में से
बारह व्यक्ति चुने गए।
31चौबीसवें, रोममतीएजेर के पुत्रों और सम्बन्धियों
मेंसे बारह व्यक्ति चुने गए।

द्वारपाल

26 द्वारपालों के समूह: कोरह परिवार से ये द्वारपाल
हैं। मशेलेम्याह और उसके पुत्र। (मशेलेम्याह
कोरह का पुत्र था। वह आसाप परिवार समूह से था।)
2मशेलेम्याह के पुत्र थे। जकर्याह सबसे बड़ा पुत्र था।
यदीएल दूसरा पुत्र था। जबद्याह तीसरा पुत्र था। यतीएल
चौथा पुत्र था। 3एलाम पाँचवाँ पुत्र था। यहोहानान छठाँ
पुत्र था और एल्यहोएनै सातवाँ पुत्र था।
4ओबेदेदोम और उसके पुत्र। ओबेदेदोम का सबसे
बड़ा पुत्र शमायाह था। यहोजाबाद उसका दूसरा पुत्र था।
योआह उसका तीसरा पुत्र था। साकार उसका चौथा
पुत्र था। नतनेल उसका पाँचवाँ पुत्र था। 5अम्मीएल
उसका छठाँ पुत्र था। इस्साकार उसका सातवाँ पुत्र था
और पुल्लतै उसका आठवाँ पुत्र था। परमेश्वर ने सचमुच
ओबेदेदोम* को वरदान दिया। 6ओबेदेदोम का पुत्र
शमायाह था। शमायाह के भी पुत्र थे। शमायाह के पुत्र
अपने पिता के परिवार में प्रमुख थे क्योंकि वे वीर
योद्धा थे। 7शमायाह के पुत्र ओती, रपाएल, ओबेद,
एलजाबाद, एलीहू और समक्याह थे। एलजाबाद के
सम्बन्धी कुशल कारीगर थे। 8वे सभी लोग ओबेदेदोम
के वंशज थे। वे पुरुष और उनके पुत्र तथा उनके
सम्बन्धी शक्तिशाली लोग थे। वे अच्छे रक्षक थे। ओबेदेदोम
के बासठ वंशज थे।
9मशेलेम्याह के पुत्र और सम्बन्धी शक्तिशाली लोग
थे। सब मिलाकर अट्ठारह पुत्र और सम्बन्धी थे।
10मरारी के परिवार से ये द्वारपाल थे उनमें एक होसा
था। शिम्री प्रथम पुत्र चुना गया था। शिम्री वास्तव में
सबसे बड़ा नहीं था, किन्तु उसके पिता ने उसे पहलौठा
पुत्र चुन लिया था। 11हिल्किय्याह उसका दूसरा पुत्र था।
तबल्याह उसका तीसरा पुत्र था और जकर्याह उसका
चौथा पुत्र था। सब मिलाकर होसा के तेरह पुत्र और
सम्बन्धी थे।
12ये द्वारपालों के समूह के प्रमुख थे। द्वारपालों का
यहोवा के मन्दिर में सेवा करने का विशेष ढंग था, जैसा
कि उनके सम्बन्धी करते थे। 13हर एक परिवार को
एक द्वार रक्षा करने के लिये दिया गया था। एक
परिवार के लिये द्वार चुनने को गोट डाली जाती थी। बुढ़े
और जवानों के साथ एक समान बर्ताव किया जाता था।
14शेलेम्याह पूर्वी द्वार की रक्षा के लिये चुना गया था।
तब शेलेम्याह के पुत्र जकर्याह के लिये गोट डाली गई।
जकर्याह एक बुद्धिमान सलाहकार था। जकर्याह उत्तरी
द्वार के लिये चुना गया। 15ओबेदेदोम दक्षिण द्वार के
लिये चुना गया और ओबेदेदोम के पुत्र उस गृह की रक्षा
के लिये चुने गए जिसमें कीमती चीज़ें रखी जाती थीं।
16शुप्पीम और होसा पश्चिमी द्वार और ऊपरी सड़क
पर शल्लेकेत द्वार के लिये चुने गए।
द्वारपाल एक दूसरे की बगल में खड़े होते थे। 17पूर्वी
द्वार पर लेवीवंशी रक्षक हर दिन खड़े होते थे। उत्तरी
द्वार पर हर दिन चार लेवीवंशी रक्षक खड़े होते थे।
दक्षिणी द्वार पर चार लेवीवंशी रक्षक खड़े होते थे और
दो लेवीवंशी रक्षक उस गृह की रक्षा करते थे जिसमें
कीमती चीज़ें रखी जाती थीं। 18चार रक्षक पश्चिमी
न्यायगृह पर थे और दो रक्षक न्यायगृह तक की सड़क
पर थे। 19ये द्वारपालों के समूह थे। वे द्वारपाल कोरह
और मरारी के परिवार में से थे।

कोषाध्यक्ष और अन्य अधिकारी

20अहिय्याह लेवी के परिवार समूह से था। अहिय्याह
परमेश्वर के मन्दिर की मूल्यवान चीजों की देखभाल
का उत्तरदायी था। अहिय्याह उन स्थानों की रक्षा के
लिये भी उत्तरदायी था जहाँ पवित्र वस्तुएँ रखी जाती थी।
21लादान गेर्शोन परिवार से था। यहोएल लादान परिवार
समूह के प्रमुखों में से एक था। 22यहोएला के पुत्र जेताम
और जेताम का भाई योएल थे। वे यहोवा के मन्दिर में
बहुमूल्य चीज़ों के लिये उत्तरदायी थे।
23अन्य प्रमुख अम्राम, यिसहार , हेब्रोन ओर उज्जीएल
के परिवार समूह से चुने गए थे। 24शबूएल यहोवा के
मन्दिर में मूल्यवान चीजों की रक्षा का उत्तरदायी प्रमुख
था। शबूएल गेर्शोम का पुत्र था। गेर्शोम मूसा का पुत्र था।
25ये शबूएल के सम्बन्धी थे: एलीआजर से उसके सम्बन्धी
थे: एलीआजर का पुत्र रहब्याह, रहब्याह का पुत्र यशायाह,
यशायाह का पुत्र योराम, योराम का पुत्र जिक्री और
जिक्री का पुत्र शलोमोत। 26शलोमोत और उसके सम्बन्धी
उन सब चीज़ों के लिये उत्तरदायी थे जिसे दाऊद ने
मन्दिर के लिये इकट्ठा किया था। सेना के अधिकारियों
ने भी मन्दिर के लिये चीज़ें दीं। 27उन्होंने युद्धों में ली
गयी चीजों में से कुछ चीज़ें दीं। उन्होंने यहोवा के मन्दिर
को बनाने के लिये वे चीज़ें दीं। 28शलोमोत और उसके
सम्बन्धी दृष्टा शमूएल, कीश के पुत्र शाऊल, नेर के
पुत्र अब्नेर; सरूयाह के पुत्र योआब द्वारा दी गई पवित्र
वस्तुओं की भी रक्षा करते थे। शलोमोत और उसके

ओबेदेदोम परमेश्वर ने ओबेदेदोम को वरदान दिया था जब साक्षीपत्र का सन्दूक उसके घर पर ठहरा था।

सम्बन्धी लोगों द्वारा, यहोवा को दी गई सभी पवित्र चीज़ों
की रक्षा करते थे।
29कनन्याह यिसहार परिवार का था। कनन्याह और
उसके पुत्र मन्दिर के बाहर का काम करते थे। वे
इस्राएल के विभिन्न स्थानों पर सिपाही और न्यायाधीश
का कार्य करते थे। 30हशव्याह हेब्रोन परिवार से था।
हशव्याह और उसके सम्बन्धी यरदन नदी के पश्चिम
में इस्राएल के राजा दाऊद के कामों और यहोवा के
सभी कामों के लिये उत्तरदायी थे। हशव्याह के समूह में
एक हजार सात सौ शक्तिशाली व्यक्ति थे। 31हेब्रोन का
परिवार समूह इस बात पर प्रकाश डालता है कि यरिय्याह
उनका प्रमुख था। जब दाऊद चालीस वर्ष तक राजा रह
चुका, तो उसने अपने लोगों को परिवार के इतिहासों से
शक्तिशाली और कुशल व्यक्तियों की खोज का आदेश
दिया। उनमें से कुछ हेब्रोन परिवार में मिले जो गिलाद
के याजेर नगर में रहते थे। 32यरिय्याह के पास दो
हजार सात सौ सम्बन्धी थे जो शक्तिशाली लोग थे और
परिवारों के प्रमुख थे। दाऊद ने उन दो हजार सात सौ
सम्बन्धियों को रूबेन, गाद और आधे मनश्शे के परिवार
के संचालन और यहोवा एवं राजा के कार्य का
उत्तरदायित्व सौंपा।

सेना के समूह

27 यह उन इस्राएली लोगों की सूची है जो राजा
की सेना में सेवा करते थे। हर एक समूह हर
वर्ष एक महीने अपने काम पर रहता था। उसमें परिवारों
के शासक, नायक, सेनाध्यक्ष और सिपाही लोग थे जो
राजा की सेवा करते थे। हरएक सेना के समूह में
चौबीस हजार पुरुष थे।
2याशोबाम पहले महीने के पहले समूह का अधीक्षक
था। याशोबाम जब्दीएल का पुत्र था। याशोबाम के समूह
में चौबीस हजार पुरुष थे। 3याशोबाम पेरेस के वंशजों में
से एक था। याशोबाम पहले महीने के लिये सभी सैनिक
अधिकारियों का प्रमुख था।
4दोदै दूसरे महीने के लिये सेना समूह का अधीक्षक
था। वह अहोही से था। दोदै के समूह में चौबीस हजार
पुरुष थे।
5तीसरा सेनापति बनायाह था। बनायाह तीसरे महीने
का सेनापति था। बनायाह यहोयादा का पुत्र था। यहोयादा
प्रमुख याजक था। बनायाह के समूह में चौबीस हजार
पुरुष थे। 6यह वही बनायाह था जो तीस वीरों में से एक
वीर सैनिक था। बनायाह उन व्यक्तियों का संचालन
करता था। बनायाह का पुत्र अम्मीजाबाद बनायाह के
समूह का अधीक्षक था।
7चौथा सेनापति असाहेल था। असाहेल चौथे महीने
का सेनापति था। असाहेल योआब का भाई था। बाद में,
असाहेल के पुत्र जबद्याह ने उसका स्थान सेनापति के
रूप में लिया। असाहेल के समूह में चौबीस हजार पुरुष
थे।
8पाँचवाँ सेनापति शम्हूत था, शम्हूत पाँचवें महीने का
सेनापति था। शम्हूत यिज्राही के परिवार से था। शम्हूत
के समूह में चौबीस हजार व्यक्ति थे।
9छठाँ सेनापति ईरा था। ईरा छठें महीने का सेनापति
था। ईरा इक्केश का पुत्र था। इक्केश तकोई नगर से
था। ईरा के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।
10सातवाँ सेनापति हेलेस था। हेलेस सातवें महीने का
सेनापति था। वह पेलोनी लोगों से था और एप्रैम का
वंशज था। हेलेस के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।
11सिब्बकै आठवाँ सेनापति था। सिब्बकै आठवें महीने
का सेनापति था। सिब्बकै हूश से था। सिब्बकै जेरह
परिवार का था। सिब्बकै के समूह में चौबीस हजार
पुरुष थे।
12नवाँ सेनापति अबीएजेर था। अबीएजेर नवें महीने
का सेनापति था। अबीएजेर अनातोत नगर से था।
अबीएजेर बिन्यामीन के परिवार समूह का था। अबीएजेर
के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।
13दसवाँ सेनापति महरै था। महरै दसवें महीने का
सेनापति था। महरै नतोप से था। वह जेरह परिवार का
था। महरै के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।
14ग्यारहवाँ सेनापति बनायाह था। बनायाह ग्यारहवें
महीने का सेनापति था। बनायाह पिरातोन से था। बनायाह
एप्रैम के परिवार समूह का था। बनायाह के समूह में
चौबीस हजार पुरुष थे। 15बारहवाँ सेनापति हेल्दै था।
हेल्दै बारहवें महीने का सेनापति था। हेल्दै, नतोपा,
नतोप से था। हल्दै ओत्नीएल के परिवार का था। हल्दै
के समूह में चौबीस हजार पुरुष थे।

परिवार समूह के प्रमुख

16इस्राएल के परिवार समूहों के प्रमुख ये थे:
रूबेन: जिक्री का पुत्र एलीआजर।
शिमोन: माका का पुत्र शपत्याह।
17 लेवी: शमूएल का पुत्र हशव्याह।
हारून: सादोक।
18 यहूदा: एलीहू (एलीहू दाऊद के भाईयों
में से एक था।)
इस्साकार: मीकाएल का पुत्र ओम्नी।
19 जबूलून: ओबद्याह का पुत्र यिशमायाह,
नप्ताली: अज्रीएल का पुत्र यरीमोत।
20 एप्रैम: अजज्याह का पुत्र होशे।
पश्चिमी मनश्शे: फ़दायाह का पुत्र योएल।
21 पूर्वी मनश्शे: जकर्याह का पुत्र इद्दो।
बिन्यामीन: अब्नेर का पुत्र यासीएल।
22 दान: यारोहाम का पुत्र अजरेल।
वे इस्राएल के परिवार समूह के प्रमुख थे।

दाऊद इस्राएलियों की गणना करता है

23दाऊद ने इस्राएल के लोगों की गणना का निश्चय
किया। वहाँ बहुत अधिक लोग थे क्योंकि परमेश्वर ने
इस्राएल के लोगों को आसमान के तारों के बराबर
बनाने की प्रतिज्ञा की थी। अत: दाऊद ने बीस वर्ष और
उससे ऊपर के पुरुषों की गणना की। 24सरूयाह के पुत्र
योआब ने लोगों को गिनना आरम्भ किया। किन्तु उसने
गणना को पूरा नहीं किया। परमेश्वर इस्राएल के लोगों
पर क्रोधित हो गया। यही कारण है कि लोगों की संख्या
"राजा दाऊद के इतिहास" की पुस्तक में नहीं लिखी
गई।

राजा के प्रशासक

25यह उन व्यक्तियों की सूची है जो राजा की सम्पत्ति
के लिये उत्तरदायी थे:

अदीएल का पुत्र अजमावेत राजा के भण्डारों का
अधीक्षक था। उज्जिय्याह का पुत्र यहोनातान छोटे नगरों
के भण्डारों, गाँव, खेतों और मीनारों का अधीक्षक था।

26कलूब का पुत्र एज्री कृषि–मजदूरों का अधीक्षक
था।

27शिमी अंगूर के खेतों का अधीक्षक था। शिमी रामा
नगर का था। जब्दी अंगूर के खेतों से आने वाली
दाखमधु की देखभाल और भंडारण करने का अधीक्षक
था। जब्दी शापाम का था।

28बाल्हानान पश्चिमी पहाड़ी प्रदेश में जैतून और देवदार
वृक्षों का अधीक्षक था।

बाल्हानान गदेर का था। योआश जैतून के तेल के
भंडारण का अधीक्षक था।

29शित्रै शारोन क्षेत्र में पशुओं का अधीक्षक था। शित्रै
शारोन क्षेत्र का था। अदलै का पुत्र शापात घाटियों में
पशुओं का अधीक्षक था।

30ओबील ऊँटों का अधीक्षक था। ओबील इश्माएली
था। येहदयाह गधों का अधीक्षक था। येहदयाह एक
मेरोनोतवासी था।

31याजीज भेड़ों का अधीक्षक था। याजीज हग्री लोगों में
से था।

ये सभी व्यक्ति वे प्रमुख थे जो दाऊद की सम्पत्ति की
देखभाल करते थे।

32योनातान एक बुद्धिमान सलाहकार और शास्त्री
था। योनातान दाऊद का चाचा था। हक्मोन का पुत्र
एहीएल राजा के पुत्रों की देखभाल करता था।
33अहीतोपेल राजा का सलाहकार था। हूशै राजा का
मित्र था। हूशै एरेकी लोगों में से था। 34बाद में यहोयादा
और एब्यातार ने राजा के सलाहकार के रूप में अहीतोपेल
का स्थान लिया। यहोयादा बनायाह का पुत्र था। योआब
राजा की सेना का सेनापति था

दाऊद मन्दिर की योजना बनाता है।

28 दाऊद ने इस्राएल के सभी प्रमुखों को इकट्ठा
किया। उसने सभी प्रमुखों को यरूशलेम आने
का आदेश दिया। दाऊद ने परिवार समूहों के प्रमुखों,
राजा की सेवा करने वाली सेना की टुकड़ियों के
सेनापतियों, सेनाध्यक्षों राजा और उनके पुत्रों के जानवरों
तथा सम्पत्ति की देखभाल करने वाले अधिकारियों,
राजा के महत्वपूर्ण अधिकारियों, शक्तिशाली वीरों और
सभी वीर योद्धाओं को बुलाया।

2राजा दाऊद खड़ा हुआ और कहा, "मेरे भाईयों और
मेरे लोगों, मेरी बात सुनो। मैं अपने हृदय से यहोवा के
साक्षीपत्र के सन्दूक को रखने के लिये एक स्थान
बनाना चाहता हूँ। मैं एक ऐसा स्थान बनाना चाहता हूँ
जो परमेश्वर का पद पीठ बन सके और मैंने परमेश्वर
के लिये एक मन्दिर बनाने की योजना बनाई। 3किन्तु
परमेश्वर ने मुझसे कहा, 'नहीं दाऊद, तुम्हें मेरे नाम
पर मन्दिर नहीं बनाना चाहिये। तुम्हें यह नहीं करना
चाहिये क्योंकि तुम एक योद्धा हो और तुमने बहुत से
व्यक्तियों को मारा है।'

4"यहोवा इस्राएल के परमेश्वर ने इस्राएल के परि
वार समूहों का नेतृत्व करने के लिये यहूदा के परिवार
समूह को चुना। तब उस परिवार समूह में से, यहोवा ने
मेरे पिता के परिवार को चुना और उस परिवार से
परमेश्वर ने मुझे सदा के लिये इस्राएल का राजा चुना।
परमेश्वर मुझे इस्राएल का राजा बनाना चाहता था।
5यहोवा ने मुझे बहुत से पुत्र दिये हैं और उन सारे पुत्रों
में से, सुलैमान को यहोवा ने इस्राएल का नया राजा
चुना। परन्तु इस्राएल सचमुच यहोवा का राज्य है। 6यहोवा
ने मुझसे कहा, 'दाऊद, तुम्हारा पुत्र सुलैमान मेरा मन्दिर
और इसके चारों ओर का क्षेत्र बनाएगा। क्यों? क्योंकि
मैंने सुलैमान को अपना पुत्र चुना है और मैं उसका
पिता रहूँगा।* 7अब सुलैमान मेरे नियमों और आदेशों
का पालन कर रहा है। यदि वह मेरे नियमों का पालन
करता रहता है तो मैं सुलैमान के राज्य को सदा के
लिये शक्तिशाली बना दूँगा!'

8दाऊद ने कहा, "अब, इस्राएल और परमेश्वर के
सामने मैं तुमसे ये बाते कहता हूँ: यहोवा अपने परमेश्वर
के सभी आदेशों को मानने में सावधान रहो! तब तुम
इस अच्छे देश को अपने पास रख सकते हो और तुम
सदा के लिए इसे अपने वंशजों को दे सकते हो।

9"और मेरे पुत्र सुलैमान, तुम, अपने पिता के परमेश्वर
को जानते हो। शुद्ध हृदय से परमेश्वर की सेवा करो।
परमेश्वर की सेवा करने में अपने हृदय (मस्तिष्क) में
प्रसन्न रहो। क्यों? क्योंकि यहोवा जानता है कि हर एक
के हृदय (मस्तिष्क) में क्या है। हर बात जो सोचते हो,

मैंने ... रहूँगा यह व्यक्त करता है कि परमेश्वर सुलैमान को
राजा बना रहा था। देखें भजन 2:7

यहोवा जानता है। यदि तुम यहोवा के पास सहायता के
लिये जाओगे, तो तुम्हें वह मिलेगी। किन्तु यदि उसको
छोड़ते हो, तो वह तुमको सदा के लिये छोड़ देगा।
10सुलैमान, तुम्हें यह समझना चाहिए कि यहोवा ने
तुमको अपना पवित्र स्थान मन्दिर बनाने के लिये चुना
है। शक्तिशाली बनो और कार्य को पूरा करो।"

11तब दाऊद ने अपने पुत्र सुलैमान को मन्दिर बनाने
के लिये योजनाएँ दीं। वे योजनाएँ मन्दिर के चारों ओर
प्रवेश–कक्ष बनाने, इसके भवन, इसके भंडार–कक्ष,
इसके ऊपरी कक्ष, इसके भीतरी कक्ष और दयापीठ के
स्थान के लिये थी। **12**दाऊद ने मन्दिर के सभी भागों
के लिये योजनाएँ बनाई थी। दाऊद ने उन योजनाओं
को सुलैमान को दिया। दाऊद ने यहोवा के मन्दिर के
चारों ओर के आँगन और इसके चारों ओर के कक्षों
की योजनाएँ दी। दाऊद ने मन्दिर के भंडारकक्षों और
उन भंडारकक्षों की योजनाएँ दी जहाँ वे उन पवित्र चीज़ों
को रखते थे जो मन्दिर में काम आती थीं। **13**दाऊद ने
सुलैमान को, याजकों और लेवीवंशियों के समूहों के
बारे में बताया। दाऊद ने सुलैमान को यहोवा के मन्दिर
में सेवा करने के काम के बारे में और मन्दिर में काम
आने वाली वस्तुओं के बारे में बताया। **14**दाऊद ने
सुलैमान को बताया कि मन्दिर में काम आने वाली
चीज़ों को बनाने में कितना सोना और चाँदी लगेगा।
15सोने के दीपकों और दीपाधारों की योजनाएँ थी और
चाँदी के दीपकों और दीपाधारों की योजनाएँ थी। दाऊद
ने बताया कि हर एक दीपाधार और उसके दीपक के
लिये कितनी सोने या चाँदी का उपयोग किया जाये।
विभिन्न दीपाधार, जहाँ आवश्यकता थी, उपयोग में
आने वाले थे। **16**दाऊद ने बताया कि पवित्र रोटी के
लिये काम में आने वाली हर एक मेज के लिये कितना
सोना काम में आएगा। दाऊद ने बताया कि चाँदी की
मेज़ों के लिये कितनी चाँदी काम में आएगी। **17**दाऊद
ने बताया कि कितना शुद्ध सोना, काँटे, छिड़काव की
चिलमची और घड़े बनाने में लगेगा। दाऊद ने बताया
कि हर एक तश्तरी बनाने में कितना सोना लगेगा और
हर एक चाँदी की तश्तरी में कितनी चाँदी लगेगी।
18दाऊद ने बताया कि सुगन्धि की वेदी के लिये कितना
शुद्ध सोना लगेगा। दाऊद ने सुलैमान को परमेश्वर का
रथ, यहोवा के साक्षीपत्र के सन्दूक के ऊपर अपने
पँखों को फैलाये करूब (स्वर्गदूत) के साथ दयापीठ की
योजना भी दी। करूब (स्वर्गदूत) सोने के बने थे।

19दाऊद ने कहा, "ये सभी योजनाएं मुझे यहोवा से
मिले निर्देशों के अनुसार बने हैं। यहोवा ने योजनाओं
की हर एक चीज़ समझने में मुझे सहायता दी।"

20दाऊद ने अपने पुत्र सुलैमान से यह भी कहा, "दृढ़
और वीर बनो और इस काम को पूरा करो। डरो नहीं,
क्योंकि यहोवा, मेरा परमेश्वर तुम्हारे साथ है। वह
तुम्हारी सहायता तब तक करेगा जब तक तुम्हारा यह
काम पूरा नहीं हो जाता। वह तुमको छोड़ेगा नहीं। तुम
यहोवा का मन्दिर बनाओगे। **21**परमेश्वर के मन्दिर का
सभी काम करने के लिये याजकों और लेवीवंशियों के
समूह तैयार हैं। सभी कामों में तुम्हें सहायता देने के
लिये कुशल कारीगर तैयार है जो भी तुम आदेश दोगे
उसका पालन अधिकारी और सभी लोग करेंगे।"

मन्दिर बनाने के लिये भेंट

29 राजा दाऊद ने वहाँ एक साथ इकट्ठे इस्राएल
के सभी लोगों से कहा, "परमेश्वर ने मेरे पुत्र
सुलैमान को चुना। सुलैमान बालक है और वह उन सब
बातों को नहीं जानता जिनकी आवश्यकता उसे इस
काम को करने के लिये है। किन्तु काम बहुत महत्वपूर्ण
है। यह भवन लोगों के लिये नहीं है अपितु यहोवा
परमेश्वर के लिये है। **2**मैंने पूरी शक्ति से अपने परमेश्वर
के मन्दिर को बनाने की योजना पर काम किया है।
मैंने सोने से बनने वाली चीज़ों के लिये सोना दिया है।
मैंने चाँदी से बनने वाली चीज़ों के लिये चाँदी दी है। मैंने
काँसे से बनने वाली चीज़ों के लिये काँसा दिया है। मैंने
लोहे से बनने वाली चीज़ों के लिये लोहा दिया है। मैंने
लकड़ी से बनने वाली चीज़ों के लिये लकड़ी दी है। मैंने
नीलमणि, रत्नजटित फलकों के लिये विभिन्न रंगों के
सभी प्रकार के बहुमूल्य रत्न और श्वेत संगमरमर भी
दिये हैं। मैंने यहोवा के मन्दिर को बनाने के लिये ये
चीज़ें अधिक और बहुत अधिक संख्या में दी हैं। **3**मैं
अपने परमेश्वर के मन्दिर के लिये सोने और चाँदी की
एक विशेष भेंट दे रहा हूँ। मैं यह इसलिये कर रहा हूँ
कि मैं सचमुच अपने परमेश्वर के मन्दिर को बनाना
चाहता हूँ। मैं इस पवित्र मन्दिर को बनाने के लिये इन
सब चीज़ों को दे रहा हूँ। **4**मैंने ओपीर से एक सौ टन
शुद्ध सोना दिया है। मैंने दो सौ साठ टन शुद्ध चाँदी दी है।
चाँदी मन्दिर के भवनों की दीवारों के ऊपर मढ़ने के
लिये है। **5**मैंने सोना और चाँदी उन सब चीजों के लिये
दी हैं जो सोने और चाँदी की बनी होती हैं। मैंने सोना
और चाँदी दिया है जिनसे कुशल कारीगर मन्दिर के
लिये सभी विभिन्न प्रकार की चीज़ें बना सकेंगे। अब
इस्राएल के लोगों, आप लोगों में से कितने आज यहोवा
के लिये अपने को अर्पित करने के लिये तैयार हैं?"

6परिवारों के प्रमुख, इस्राएल के परिवार समूहों के
प्रमुख, सेनाध्यक्ष, राजा के काम करने के लिये उत्तरदायी
अधिकारी, सभी तैयार थे और उन्होंने बहुमूल्य चीज़ें
दीं। **7**ये वे चीज़ें हैं जो उन्होंने परमेश्वर के गृह के लिये
दीं: एक सौ नब्बे टन सोना, तीन सौ पचहत्तर टन चाँदी,
छ:सौ पचहत्तर टन काँसा; तीन हजार सात सौ पचास
टन लोहा; **8**जिन लोगों के पास कीमती रत्न थे उन्होंने
यहोवा के मन्दिर के लिये दिये। यहीएल कीमती रत्नों

का रक्षक बना। यहीएल गेर्शोन के परिवार में से था। **9**लोग बहुत प्रसन्न थे क्योंकि उनके प्रमुख उतना अधिक देने में प्रसन्न थे। प्रमुख स्वतन्त्रता पूर्वक खुले दिल से देने में प्रसन्न थे। राजा दाऊद भी बहुत प्रसन्न था।

दाऊद की सुन्दर प्रार्थना

10तब दाऊद ने उन लोगों के सामने, जो वहाँ एक साथ इकट्ठे थे, यहोवा की प्रशंसा की। दाऊद ने कहा:
"यहोवा इस्राएल का परमेश्वर, हमारा पिता, सदा–सदा के लिये तेरी स्तुति हो! **11**महानता, शक्ति, यश, विजय और प्रतिष्ठा तेरी है! क्यों? क्योंकि हर एक चीज़ धरती और आसमान की तेरी ही है! हे यहोवा! राज्य तेरा है; तू हर एक के ऊपर शासक है। **12**सम्पत्ति और प्रतिष्ठा तुझसे आती है। तेरा शासन हर एक पर है। तू शक्ति और बल अपने हाथ में रखता है! तेरे हाथ में शक्ति है कि तू किसी को– महान और शक्तिशाली बनाता है!

13अब, हमारे परमेश्वर हम तुझको धन्यवाद देते हैं, और हम तेरे यशस्वी नाम की स्तुति करते हैं!

14ये सभी चीजें मुझसे और मेरे लोगों से नहीं आई हैं! ये सभी चीज़ें तुझ से आई और हमने तुझको वे चीज़ें दीं जो तुझसे आई हैं ।

15हम अजनबी और यात्रियों के समान हैं! हमारे सारे पूर्वज भी अजनबी हैं, और यात्री रहे। इस धरती पर हमारा समय जाती हुई छाया सा है और हम इसे नहीं पकड़ सकते,

16हे यहोवा हमारा परमेश्वर, हमने ये सभी चीज़ें तेरा मन्दिर बनाने के लिये इकट्ठी की हैं। हम लोग तेरा मन्दिर तेरे नाम के सम्मान के लिये बनायेंगे किन्तु ये सभी चीज़ें तुझसे आई हैं हर चीज़ तेरी है।

17मेरे परमेश्वर, मैं यह भी जानता हूँ तू लोगों के हृदयों की जाँच करता है, और तू प्रसन्न होता है, यदि लोग अच्छे काम करते हैं मैं सच्चे हृदय से ये सभी चीज़े देने में प्रसन्न था। अब मैंने तेरे लोगों को वहाँ इकट्ठा देखा जो ये चीज़ें तुझको देने में प्रसन्न हैं।

18हे यहोवा, तू परमेश्वर है हमारे पूर्वज इब्राहीम, इसहाक और इस्राएल का। कृपया तू लोगों की सहायता सही योजना बनाने में कर उन्हें तेरे प्रति विश्वास योग्य और सच्चा होने में कर।

19और मेरे पुत्र सुलैमान को तेरे प्रति सच्चा होने में सहायता दे तेरे विधियों, नियमों और आदेशों को सर्वदा पालन करने में उसकी सहायता कर। उन कामों को करने में सुलैमान की सहायता कर और उस महल को बनाने में उसकी सहायता कर जिसकी योजना मैंने बनाई है।"

20तब दाऊद ने वहाँ एक साथ इकट्ठे सभी समूहों के लोगों से कहा, "अब यहोवा, अपने परमेश्वर की स्तुति करो।" अत: सब ने यहोवा परमेश्वर, उस परमेश्वर को जिसकी उपासना उनके पूर्वजों ने की, स्तुति की। उन्होंने यहोवा तथा राजा को सम्मान देने के लिये धरती पर माथा टेक कर प्रणाम किया।

सुलैमान राजा होता है

21अगले दिन लोगों ने यहोवा को बलि भेंट दी। उन्होंने यहोवा को होमबलि दी। उन्होंने एक हजार बैल, एक हजार मेढ़ें एक हजार मेमनें भेंट में दिये और उन्होनें पेय–भेंट भी दी। इस्राएल के लोगों के लिये वहाँ अनेकानेक बलिदान किये गये। **22**उस दिन लोगों ने खाया और पिया और यहोवा वहाँ उनके साथ था। वे बहुत प्रसन्न थे और उन्होंने दाऊद के पुत्र सुलैमान को दूसरी बार राजा बनाया।* उन्होंने सुलैमान का अभिषेक राजा के रूप में किया और उन्होंने सादोक का अभिषेक याजक बनाने के लिये किया। उन्होंने यह उस स्थान पर किया जहाँ यहोवाथा।

23तब सुलैमान राजा के रूप में यहोवा के सिहांसन पर बैठा। सुलैमान ने अपने पिता का स्थान लिया। सुलैमान बहुत सफल रहा। इस्राएल के सभी लोग सुलैमान का आदेश मानते थे। **24**सभी प्रमुख, सैनिक और राजा दाऊद के सभी पुत्रों ने सुलैमान को राजा के रूप में स्वीकार किया और उसकी आज्ञा का पालन किया। **25**यहोवा ने सुलैमान को बहुत महान बनाया। इस्राएल के सभी लोग जानते थे कि यहोवा सुलैमान को महान बना रहा है। यहोवा ने सुलैमान को वह सम्मान दिया जो एक राजा को मिलना चाहिये। सुलैमान के पहले इस्राएल के किसी राजा को यह सम्मान नहीं मिला।

दाऊद की मृत्यु

26-27यिशै का पुत्र दाऊद पूरे इस्राएल पर चालीस वर्ष तक राजा रहा। दाऊद हेब्रोन नगर में सात वर्ष तक राजा रहा। तब दाऊद यरूशलेम में तैंतीस वर्ष तक राजा रहा। **28**दाऊद तब मरा जब वह बूढ़ा था। दाऊद ने एक अच्छा लम्बा जीवन बिताया था। दाऊद के पास बहुत सम्पत्ति और प्रतिष्ठा थी और दाऊद का पुत्र सुलैमान उसके बाद राजा बना।

29वे कार्य, जो आरम्भ से लेकर अन्त तक दाऊद ने किये, सभी शमूएल दृष्टा की रचनाओं में और नातान नबी की रचनाओं में तथा गाद दृष्टा की रचनाओं में लिखे हैं। **30**वे रचनायें इस्राएल के राजा के रूप में दाऊद ने जो काम किये, उन सब की सूचना देती हैं। वे दाऊद की शक्ति और उसके साथ जो घटा, उसके विषय में भी बताती हैं और वे इस्राएल और उसके चारों ओर के राज्यों में जो हुआ, उसके बारे में बताती हैं।

और ... राजा बनाया सुलैमान र ाजा होने के लिये पहली बार तब चुना गया, जब उसके सौतेला भाई अदोनिय्याह ने अपने को राजा बनाने का प्रयत्न किया। देखें 1राजा 1:5–39